twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरुवार, 24 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 248, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

ब्रिटिश पीड़ितों के परिजन बोले- गलत शव सौंपे गए

नई दिल्ली/एजेंसी

एअर इंडिया के दुखद विमान हादसे में मारे गए ब्रिटिश नागरिकों के परिजनों को कथित तौर पर उनके प्रियजनों के गलत शव भेज दिए गए हैं। खबर के अनुसार, अब तक ऐसे दो मामले सामने आए हैं जहां शोकाकुल परिवारों को पता चला कि उनके प्रियजनों के शवों की ब्रिटेन लौटने से पहले गलत पहचान की गई है।

दावा- परिजनों की ओर से दिए गए नमूनों से नहीं हो रहा डीएनए का मिलान

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मामला तब सामने आया, जब इनर वेस्ट लंदन की कोरोनर डॉ. फियोना विलकॉक्स ने परिवारों की ओर से उपलब्ध कराए गए नमूनों के साथ उनके डीएनए का मिलान करके ब्रिटेन भेजे गए ब्रिटिश नागरिकों की पहचान सत्यापित करने की कोशिश की। वकील जेम्स हीली-प्रैट, जो कई ब्रिटिश परिवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि एअर इंडिया हादसे के बाद कम से कम 12 ब्रिटिश पीड़ितों के अवशेष भेजे गए हैं। प्रैट ने प्रकाशन को बताया कि उनकी टीम एयर इंडिया और उसके आपातकालीन वेंडर केन्यन्स इंटरनेशनल इमरजेंसी सर्विसेज से इस संबंध में औपचारिक प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रही है। सरकार की ओर से भी इस मामले में प्रतिक्रिया सामने आई है। सरकार के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "हमने रिपोर्ट देखी है और जब से ये चिंताएं और मुद्दे हमारे ध्यान में लाए गए हैं, हम ब्रिटेन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। दुखद दुर्घटना के मद्देनजर, संबंधित अधिकारियों ने स्थापित प्रोटोकॉल और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार पीड़ितों की पहचान की थी। सभी पार्थिव अवशेषों को अत्यंत व्यावसायिकता और मृतकों की गरिमा का पूरा ध्यान रखते हुए सहेजा गया था। म इस मुद्दे से संबंधित किसी भी चिंता का समाधान करने के लिए ब्रिटेन के अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखे हुए हैं।" बोइंग 787-8 से संचालित एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171, जो लंदन के गैटविक जा रही थी, 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में विमान में सवार 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई। इसके साथ ही 19 अन्य लोग जमीन पर मारे गए थे।।

संसद में सड़क जैसा व्यवहार कर रहा विपक्ष: बिरला

विपक्ष ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया

नई दिल्ली/एजेंसी

लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। बुधवार को जब विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। बता दें कि लगातार तीन दिन से हो रहे विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा को स्थगित करना पड़ रहा है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है। निचले सदन में प्रश्नकाल के दौरान 'बिहार में रेल परियोजनाएं' विषय पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा किया। सांसदों के हंगामे को लेकर लोकसभा स्पीकर बिरला भड़क गए। उन्होंने कहा कि संसद हमारे गौरवशाली लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है।

सांसदों से मेरी अपेक्षा रहती है कि संसद के अंदर आपका आचरण, व्यवहार, कार्यपद्धति मर्यादित रहना चाहिए। देश की जनता ने आपको यहां पर उनकी आवाज, उनकी चुनौतियों, उनकी अपेक्षाएं और देश के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भेजा है। लोकसभा स्पीकर ने आगे कहा कि आपका जो व्यवहार है वो सड़कों का है। यह आचरण और व्यवहार आप संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। मैं सभी राजनीतिक दलों से कहता हूं कि देश उनके सदस्यों के आचरण को देख रहा है। मैं दोबारा कह रहा हूं कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। आप जाइए, सदन में बैठिए और मुद्दों पर चर्चा कीजिए। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है। बीते दो दिनों से लगातार संसद की कार्रवाई हंगामे की भेंट चढ़ रही है। पहले दिन विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे को लेकर हंगामा किया। इसके बाद दूसरे दिन बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा हुआ।

तीसरे दिन भी व्यवधान जारी रहा

लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष की ओर से विभिन्न मुद्दों पर नारेबाजी और शोरशराबे के कारण बुधवार को मानसून सत्र के तीसरे दिन भी व्यवधान जारी रहा। इसके चलते दोनों सदनों की कार्यवाही 12:00 तक के लिए स्थगित कर की गई।

लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष को व्यवधान पैदा न करने, तख्तियां और पोस्टर नहीं लाने का आग्रह किया। इसी बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रश्न के उत्तर में सदन को बताया कि कैसे केंद्र सरकार बिहार में रेलवे के विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के साथ केवल एनडीए ही न्याय कर सकता है। व्यवधान जारी रहने पर लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को 12:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

देश को जल्द मिलेंगे नए उपराष्ट्रपति: चुनाव आयोग

नई दिल्ली

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद की चुनावी प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी कारणों से सोमवार की देर रात इस्तीफा दे दिया था। उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्य मिलकर करते हैं। सत्ताधारी दल एनडीए के पास उपराष्ट्रपति चुनने के लिए पर्याप्त सांसद मौजूद हैं।

ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि देश को जल्द ही नए उपराष्ट्रपति मिल सकते हैं। बता दें कि वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटों में से एक सीट और राज्यसभा की 245 सीटों में से 5 सीटें खाली हैं। पश्चिम बंगाल की बशीरहाट सीट से कोई लोकसभा सांसद नहीं है। वहीं, राज्यसभा में जम्मू कश्मीर की 4 और पंजाब की 1 सीट खाली है।

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद के दोनों सदनों में अगले सप्ताह होगी चर्चा

नई दिल्ली/एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोकसभा में 28 जुलाई और राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सदनों में बहस के लिए 16-16 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। संसद के मानसून सत्र की शुरूआत 21 जुलाई को हुई थी। पिछले 3 दिनों से विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, बिहार वोटर वेरिफिकेशन जैसे मुद्दों पर हंगामा कर रहा है। तीन दिनों में दोनों सदनों में लगातार एक-आधे घंटे भी कार्यवाही नहीं चल सकी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि सरकार कहती है ऑपरेशन सिंदूर चालू है, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प बंद कराने का दावा कर चुके हैं। ट्रम्प ने 25 बार बोला कि उन्होंने सीजफायर कराया। वो कौन होते हैं बोलने वाले, ये उनका काम नहीं है, लेकिन पीएम मोदी ने इस पर एक जवाब नहीं दिया। ऐसा लगता है दाल में कुछ काला है। इससे पहले लोकसभा में बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में चले आए। उन्होंने काले कपड़े लहराए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- आप सड़क का व्यवहार संसद में न करें। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

खेल संघों में सुशासन और खिलाड़ियों के कल्याण से जुड़ा राष्ट्रीय खेल विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली/एजेंसी

सरकार ने खेल संघों के सुशासन और खिलाड़ियों के कल्याण के उद्देश्य से राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 बुधवार को लोकसभा में पेश किया। यह विधेयक खेल विवादों के समाधान, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था करता है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शोर-शराबे के बीच विधेयक को पेश किया। विधेयक का उद्देश्य खेल संघों को जवाबदेह बनाना, उत्कृष्ट खिलाड़ियों को

प्रतिनिधित्व देना और खेल विवादों के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के लिए कानूनी ढांचा तैयार करना है। इसमें राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, प्रत्येक मान्यता प्राप्त खेल के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघ तथा क्षेत्रीय खेल महासंघ की स्थापना का प्रावधान है। विधेयक के अनुसार एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन किया जाएगा। बोर्ड खेल संघों को मान्यता देगा, उनकी संबद्ध इकाइयों का पंजीकरण करेगा और आवश्यक होने पर जांच या निलंबन की कार्रवाई करेगा। इसके अलावा निष्पक्ष चुनावों के संचालन के लिए पूर्व निर्वाचन आयुक्तों की एक राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल की नियुक्त की जाएगी। इसमें खेल विवादों के समाधान के लिए राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण की स्थापना का भी प्रावधान है। इसके निर्णयों के विरुद्ध अपील सीधे सर्वोच्च न्यायालय में की जा सकेगी।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से महाभियोग की सिफारिश को चुनौती

नई दिल्ली/एजेंसी

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि उनकी याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई हो। यह याचिका एक इन-हाउस जांच कमेटी की उस रिपोर्ट को रद्द करने के लिए दायर की गई है, जिसमें उन्हें नकदी कांड में गलत आचरण का दोषी ठहराया गया है। जस्टिस वर्मा ने इस मामले को गंभीर बताते हुए इसे तुरंत सुनने की अपील की है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में यह मामला उठाया। उन्होंने चीफ जस्टिस बी आर गवई से अनुरोध किया कि इस याचिका को जल्द से जल्द

सूचीबद्ध किया जाए, क्योंकि इसमें कुछ अहम संवैधानिक सवाल उठाए गए हैं। चीफ जस्टिस गवई ने कहा, "मुझे एक बेंच गठित करनी होगी।" गौरतलब है कि इस याचिका पर सुनवाई करने से सीजेआई बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा है कि उनके लिए इस मामले की सुनवाई करना उचित नहीं होगा। क्योंकि वह जस्टिस वर्मा से जुड़े विवाद पर बातचीत का हिस्सा थे। सीजेआई ने बाद में साफ किया कि न्यायालय इस पर फैसला लेगा और जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुनवाई के लिए एक उपयुक्त बेंच नियुक्त करेगा। जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका में तत्कालीन चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना की 8 मई की उस सिफारिश को रद करने की मांग की है, जिसमें संसद से उनके खिलाफ इम्पीचमेंट की कार्रवाई शुरू करने की बात कही गई थी। यह सिफारिश उस जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर की गई थी, जिसने जस्टिस वर्मा को दोषी पाया था। यह जांच पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू की अगुवाई में हुई थी। कमेटी ने 10 दिनों तक जांच की, 55 गवाहों से पूछताछ की और उस जगह का दौरा किया, जिस जगह पर 14 मार्च को रात करीब 11:35 बजे जस्टिस वर्मा के दिल्ली हाई कोर्ट के जज रहते हुए उनके सरकारी आवास पर आग लगी थी।

बिहार को रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास की सौगात मिली: वैष्णव

सीतामढ़ी-शिवहर रेल प्रोजेक्ट पर तेजी से हो रहा काम, बागमती नदी पर ब्रिज का टेंडर हो चुका है

नई दिल्ली/एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास की सौगात मिली है। जहां 11 साल पहले बिहार को रेलवे बजट में मात्र 1,132 करोड़ रुपए की राशि मिलती थी, वहीं अब यह राशि बढ़कर 10,000 करोड़ रुपए हो गई है।

यह बिहार के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। रेल मंत्री ने कहा कि कई वर्षों से लंबित प्रोजेक्ट्स को एनडीए सरकार ने पूरा किया है। मुंगेर और पटना में नए ब्रिज बनाए गए हैं और कोसी ब्रिज, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने मंजूरी दी थी, उसे अब मोदी सरकार ने पूरा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार के साथ न्याय केवल एनडीए ही कर सकती है। सीतामढ़ी-शिवहर रेल लाइन प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने बताया कि बागमती नदी पर जो पुल बनना है, उसका टेंडर हो चुका है। देकुली धाम को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर 262 करोड़ रुपए की राशि जमा कर दी गयी है। इस परियोजना के लिए कुल 557 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं और कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेल मंत्री ने बताया कि बिहार में अब तक 98 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। राज्य में आठ वंदे भारत ट्रेनें, पांच अमृत भारत ट्रेनें और एक नमो भारत ट्रेन चल रही हैं।

भारत ने पासपोर्ट रैंकिंग में आठ पायदान की लगाई छलांग

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत ने जनवरी 2025 के बाद से अपनी पासपोर्ट रैंकिंग में बड़ा सुधार दर्ज किया है, और 85वें से 77वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत की पासपोर्ट रैंकिंग आठ स्थान ऊपर चढ़ गई है। भारत को 59 देशों के लिए वीजा पहुंच प्राप्त हो गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग में इसकी पुष्टि हुई है। आईएटीए के आंकड़ों पर आधारित है पासपोर्ट रैंकिंग सिंगापुर ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, उसे दुनिया भर के 227 गंतव्यों में से 193 तक

वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान की गई है। जुलाई 2025 में प्रकाशित यह रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ के विशिष्ट आंकड़ों पर आधारित है और यह उन गंतव्यों की संख्या दशार्ती है जहां पासपोर्ट बिना पूर्व वीजा के प्रवेश की अनुमति देता है। एशियाई पड़ोसी देश जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जहां प्रत्येक को 190 गंतव्यों तक वीजा-मुक्त पहुंच प्राप्त है। नई रैंकिंग के अनुसार, भारत की वीजा-मुक्त पहुंच में केवल दो नए स्थान जुड़े हैं। इसके बावजूद, सुधार का श्रेय राजनयिक पहुंच और द्विपक्षीय समझौतों में वृद्धि को दिया गया है। नई पासपोर्ट रैंकिंग में सऊदी अरब को भी लाभ हुआ है। उसके वीजा मुक्त गंतव्यों में चार स्थानों का सुधार हुआ है। देश की रैंकिंग 91 गंतव्यों के साथ चार स्थान ऊपर चढ़कर 54वें स्थान पर पहुंच गया है। रैंकिंग में ब्रिटेन और अमेरिका की रैंकिंग नीचे गिरी है। यूनाइटेड किंगडम 6वें स्थान पर गिर गया है, जो 186 देशों को वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका अब 182 गंतव्यों तक पहुंच के साथ 10वें स्थान पर है।

मोदी ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्रिटेन और मालदीव के चार दिवसीय दौरे पर बुधवार को रवाना हुए। प्रधानमंत्री इस दौरान दोनों देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर बातचीत करेंगे।दौरे के पहले चरण में प्रधानमंत्री 23 एवं 24 जुलाई को ब्रिटेन में रहेंगे, जहां उनके ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से द्विपक्षीय वार्ता और कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है, जिसे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने विदेश दौरे पर रवाना होने से पहले एक बयान में कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच सहयोग व्यापार, निवेश, तकनीक, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। यह यात्रा इन संबंधों को और भी गहराई देगी।

रुद्राभिषेक कर सीएम योगी आदित्यनाथ ने की लोक मंगल की कामना

गोरखपुर/एजेंसी

पावन सावन माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि, सावन शिवरात्रि (बुधवार) को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। प्राचीन मानसरोवर मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद जल, गोदुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया। गोरखनाथ मंदिर के विद्वत

पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती कर अनुष्ठान को पूर्ण किया। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

19 दिनों में 3.21 लाख लोगों ने की अमरनाथ यात्रा, 3,536 का नया जत्था घाटी के लिए रवाना

एजेंसी

श्रीनगर। 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के 19 दिन हो चुके हैं। 19 दिनों में 3.21 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। मंगलवार को 3,536 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि यात्रा सुचारू और शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है और पिछले 19 दिनों में 3.21 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं। अधिकारियों ने बताया, 3,536 यात्रियों का एक नया जत्था आज जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में घाटी के लिए रवाना हुआ। 1,250 यात्रियों को लेकर 48 वाहनों का पहला काफिला सुबह 3.33 बजे बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ, जबकि 2,286 यात्रियों को लेकर 84 वाहनों का दूसरा काफिला सुबह 4.06 बजे पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। यात्रा पर जाने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों तीर्थयात्री प्रतिदिन दोनों आधार शिविरों में पहुंचते हैं, जिससे यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। 10 जुलाई को पहलगाम में छड़ी मुबारक (भगवान शिव की पवित्र छड़ी) का पूजन किया गया था। छड़ी मुबारक के एकमात्र संरक्षक, महंत स्वामी दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में संतों के

एक समूह द्वारा छड़ी मुबारक को श्रीनगर स्थित दशनामी अखाड़ा भवन से पहलगाम ले जाया गया। पहलगाम में, छड़ी मुबारक को गौरी शंकर मंदिर ले जाया गया, जहां भूमि पूजन हुआ। इसके बाद छड़ी मुबारक को दशनामी अखाड़ा भवन स्थित अपने स्थान पर वापस ले जाया गया। यह 4 अगस्त को श्रीनगर स्थित दशनामी अखाड़ा मंदिर से गुफा मंदिर की ओर अपनी अंतिम यात्रा शुरू करेगी और 9 अगस्त को पवित्र गुफा मंदिर पहुंचेगी, जो यात्रा का आधिकारिक समापन होगा। अधिकारियों ने इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा के लिए व्यापक बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है, क्योंकि यह यात्रा 22 अप्रैल के कायराना हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम के बैसरन मैदान में आस्था के आधार पर 26 नागरिकों को अलग-थलग करके उनकी हत्या कर दी थी। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा संख्या बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं। इस वर्ष तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए सेना ने 8,000 से अधिक विशेष कमांडो तैनात किए हैं। यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई और 38 दिनों के बाद श्रावण पूर्णिमा पर 9 अगस्त को समाप्त होगी। यात्री कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक या तो पारंपरिक पहलगाम मार्ग से या छोटे बालटाल मार्ग से पहुंचते हैं।

विपक्ष ने उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर उठाए सवाल, सीएम मोहन यादव बोले- कांग्रेस के लिए जैसी सृष्टि वैसी दृष्टि

एजेंसी

भोपाल। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों से अपने पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद कांग्रेस और विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए जैसी सृष्टि वैसी दृष्टि वाली बात है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम को स्वास्थ्य कारणों से अपने पद से इस्तीफा दिया था। उसके बाद से विपक्षी दल लगातार सरकार पर हमले बोल रहे हैं। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मंगलवार को सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जो कुछ कहा है, उसके बारे में दिल्ली में बता दिया गया है। उन्होंने अपनी बात रख दी है। कांग्रेस और विपक्षी दलों की ओर से लगाए जा रहे आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा, विपक्ष का काम है और वो अपना धर्म निभा रहे हैं। उनके लिए जैसी सृष्टि वैसी दृष्टि है। दरअसल,

जगदीप धनखड़ ने सोमवार की रात को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका यह इस्तीफा रात को सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया गया। इस इस्तीफे में जगदीप धनखड़ ने अपने स्वास्थ्य कारणों का जिक्र किया है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ सदन के सदस्यों का आभार जताया है। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद से विपक्ष हमलावर है और तरह-तरह के आरोप लगा रहा है। इस पर राज्य के मुख्यमंत्री यादव ने अपनी बात कही है। कांग्रेस की ओर से आरोप लगाए जा रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि उपराष्ट्रपति को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। कांग्रेस की ओर से इस्तीफे के पीछे सियासी कारण तलाशे जा रहे हैं।

बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान को तत्काल रोका जाए: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा की सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए इसको तत्काल रोके जाने की मांग की है। प्रियंका गांधी ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह से गलत है और इससे मतदाताओं के अधिकारों का हनन हो रहा है। इस दौरान मौजूद कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने भी एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति जतायी और कहा कि यह देशभर के मतदाताओं का वोट लूटने की साजिश है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को संसद में जोर-शोर से उठाएगी और यह

सिर्फ बिहार का नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक ढांचे से जुड़ा सवाल है। इससे पहले, आज एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई प्रमुख विपक्षी नेता उपस्थित थे। सभी नेता अपने हाथों में एसआईआर के विरोध के पोस्टर लिये हुए थे, जिन पर एसआईआर विरोधी नारे लिखे हुए थे। चुनाव आयोग बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए एसआईआर करा रहा है। इस प्रक्रिया में अब तक 90.67 प्रतिशत मतदाताओं ने फॉर्म भर दिए हैं। इसके बाद ड्राफ्ट सूची जारी होगी और 30 सितंबर तक अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

विपक्ष का एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को बिहार में जारी मतदाता सूची अपडेट प्रक्रिया एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे पर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन

में कई विपक्षी दलों के नेताओं ने भाग लिया। इसमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी, द्रमुक और अन्य विपक्षी पार्टियों के नेता थे। सभी ने अपने हाथ में एसआईआर के विरोध में पोस्टर कार्ड पकड़े हुए थे। इनमें लिखा था कि एसआईआर भारतीयों के अधिकार छीन रहा है। साथ ही इसे रोके जाने के नारे लगाए जा रहे थे। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर करा रहा है। इसका मकसद मतदाता सूची को अपडेट करना है। इसमें 90.67 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने फार्म भरे हैं। इससे आगे ड्राफ्ट मतदाता सूची और 30 सितंबर तक अंतिम मतदाता सूची तैयार की जाएगी।

राष्ट्रपति ने जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार किया। यह चिट्ठी गृह मंत्रालय (एमएचए) को भेज दी गई है। जल्द ही इस पर आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

यह घोषणा राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान हुई, जब भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी, जो उस समय सभापति की कुर्सी पर थे, ने बताया कि उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने बताया है कि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान के अनुच्छेद 67ए के तहत तुरंत प्रभाव से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भारत के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप

धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा कि वह स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं 16 जुलाई 2022 को भाजपा ने एनडीए की ओर से धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया था। 6 अगस्त 2022 को हुए चुनाव में उन्होंने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को 528 में से 710 वोट पाकर बड़े अंतर से हराया था। यह 1992 के बाद सबसे बड़ा जीत का अंतर था। उपराष्ट्रपति रहते हुए धनखड़ राज्यसभा के सभापति भी थे। उन्होंने कई अहम विधायी सत्रों का संचालन किया और नियमों का कड़ाई से पालन करवाने के लिए जाने गए। उनके इस सख्त लेकिन निष्पक्ष रवैये के कारण उन्हें सभी दलों में सम्मान और विरोध दोनों मिला।धनखड़ एक अनुभवी राजनेता और संविधान विशेषज्ञ माने जाते हैं। पिछले एक साल में उनकी तबीयत कई बार खराब हुई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था, हाल ही में नैनीताल में भी उनका इलाज हुआ था। उनकी बीमारी का सही कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। उनके इस्तीफे के बाद अब देश में नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी, क्योंकि उपराष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति भी होते हैं और यह पद ज्यादा समय तक खाली नहीं रह सकता।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर पीएम मोदी की प्रतिक्रिया: 'मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धनखड़ को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी का यह पोस्ट ऐसे समय आया है जब विपक्ष धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर सवाल उठा रहा है।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर सियासी हलचल तेज, भाजपा ने विपक्ष को दिया जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के पीछे 'और भी गहरी वजहें' होने के कांग्रेस के आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उसे उस समय की याद दिलाई जब विपक्ष की ओर से पक्षपातपूर्ण आचरण का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने का प्रस्ताव लाया गया था। मानसून सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से सियासी हलचल मच गई और अटकलों और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की लहर दौड़ गई। कांग्रेस ने तुरंत दावा किया कि उनके इस्तीफे में बताए गए स्वास्थ्य संबंधी कारण पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि जो दिख रहा है, उससे कहीं अधिक है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को धनखड़ के इस्तीफे को राजनीतिक रंग देने से बचना चाहिए और उन्होंने इस पुरानी पार्टी पर सिनेमाई कटाक्ष भी किया तथा इसकी तुलना बॉलीवुड में अभिनेता कादर खान की भूमिका से की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को 'चौंकाने वाला और समझ से परे' बताया और यह भी

कहा कि उपराष्ट्रपति ने सरकार और विपक्ष दोनों को समान रूप से निशाने पर लिया। उन्होंने आगे दावा किया कि उनके इस्तीफे के पीछे कहीं अधिक गंभीर कारण हैं, और धनखड़ की प्रशंसा करते हुए कहा, वह मानदंडों, शिष्टाचार और प्रोटोकॉल के प्रति अडिग थे, और उनका मानना था कि उनके दोनों ही पदों पर रहते हुए इनकी लगातार अवहेलना की जा रही थी। हालांकि, जगदीप धनखड़ की प्रशंसा इंडिया ब्लॉक की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) को रास नहीं आई। एसएस (यूबीटी) की प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी ने तुरंत कांग्रेस नेता के 'अस्पष्ट' दावों की तथ्य-जांच की और उन्हें सही ठहराने की कोशिश की। नाम लिए बिना उन्होंने कांग्रेस नेता के इस दावे पर आपत्ति जताई कि 'धनखड़ ने सरकार और विपक्ष दोनों को समान रूप से आड़े हाथों लिया और कहा कि विपक्ष को अध्यक्ष के पक्षपातपूर्ण आचरण के कारण ही उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, कम से कम हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह क्षण हमारे लिए आश्चर्य की बात है। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) का हवाला देते हुए स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और चिकित्सा सलाह का पालन करने की आवश्यकता बताई। मानसून सत्र के पहले ही दिन उनके इस्तीफे से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई और विपक्ष ने इसे सरकार को घेरने के अवसर के रूप में देखा।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में मंगलवार को झमाझम बारिश हुई। आईएमडी ने भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश के मद्देनजर, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूरी दिल्ली में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। आईएमडी के अनुसार, अगले दो दिनों तक दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश के साथ बारिश का पूर्वानुमान है। कई जगहों पर गरज चमक के साथ मूसलाधार बारिश भी हो सकती है। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई बारिश की वजह से सड़कों पर पानी जमा होने से कुछ जगहों पर हल्का ट्रैफिक जाम देखा गया। दिल्ली के राष्ट्रपति भवन के गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब के पास झमाझम बारिश हुई है। इसके साथ ही दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में भी बारिश शुरू हो गई। दिल्ली का अधिकतम तापमान 32.63ए सेल्सियस और न्यूनतम 27.48एसेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक यह बारिश पश्चिमी राजस्थान और पड़ोसी पाकिस्तान के

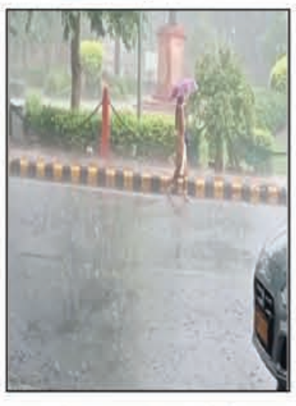

ऊपर बने चक्रवाती हवाओं के दबाव और जम्मू से बंगाल की खाड़ी तक फैली सक्रिय मॉनसून ट्रफ के कारण हो रही है। इन कारणों से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में बारिश का मौसम बना रहेगा। अनुमान है कि 26 जुलाई तक रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। ऐसे में अब दिल्ली में आई बारिश ने लोगों को बढ़ती गर्मी से थोड़ी राहत दिलाई है, लेकिन कुछ निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी देखी गई। कनॉट प्लेस, इंडिया गेट और मॉडल टाउन जैसे क्षेत्रों में सड़कों पर पानी जमा होने से ट्रैफिक की गति धीमी रही। दिल्ली नगर निगम और प्रशासन ने जलभराव से निपटने के लिए पहले से तैयारियां शुरू कर दी हैं। ऑरेंज अलर्ट का अर्थ होता है कि मौसम खराब हो चुका है। तो ऐसे में अब आपको सिर्फ नजर बनाकर नहीं रखनी है, बल्कि बाहर जाने से भी बचना चाहिए। इसका अर्थ है कि स्थिति सामान्य नहीं है, मौसम गंभीर हो सकता है। ऑरेंज अलर्ट भारी बारिश, बर्फबारी, तूफान या लू जैसी परिस्थितियों के लिए जारी किया जाता है। भारी बारिश को लेकर जारी किए गए ऑरेंज अलर्ट का आमतौर पर मतलब है कि 24 घंटों में भारी बारिश हो सकती है, जिससे सड़कों, नालों और निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है।

थल सेना को मिले अटैक अपाचे हेलीकॉप्टर, भारत पहुंची पहली खेप

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका से खरीदे गए अटैक अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय सेना शामिल होने जा रहे हैं। मंगलवार को गाजियाबाद स्थित वायुसेना के हिंडन एयरबेस पर भारतीय थल सेना के लिए अपाचे हेलीकॉप्टर्स की पहली खेप पहुंची। यहां तीन अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर की पहली खेप हिंडन एयरबेस पर सफलतापूर्वक उतारी गई है। ये अटैक हेलीकॉप्टर सेना के एवएशन विंग का हिस्सा होंगे। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक भारतीय थल सेना के लिए यह दिन एक ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया है। भारतीय सेना को ऐसे कुल छह हेलीकॉप्टर मिलने हैं। माना जाना है कि अमेरिका से शेष तीन हेलीकॉप्टर्स की डिलीवरी इस वर्ष के अंत तक हो जाएगी। अपाचे हेलीकॉप्टर को 'फ्लाइंग तोप' भी कहा जाता है। ये घातक हेलीकॉप्टर एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकते हैं। यह पहाड़ी व जटिल इलाकों में उड़ान भरने में सक्षम है।

दुनिया के सबसे उन्नत अटैक हेलीकॉप्टर में शुमार हैं। अपाचे हेलीकॉप्टर में 30 एमएम चेन गन, रॉकेट पॉड्स, लेजर और रडार-निर्देशित हेलफायर मिसाइलें हैं। ये साथ ही इसमें सीमा पार जबरदस्त हमला करने की क्षमता है। ये अटैक हेलीकॉप्टर पहाड़ी युद्ध क्षेत्रों में बने दुश्मन के बंकर और आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने में भी सक्षम हैं। यही कारण है कि भारतीय थल सेना को अटैक अपाचे हेलीकॉप्टर मिलने से सेना की शक्ति में तो जबरदस्त इजाफा हुआ है, इसके साथ ही सेना के रिस्पांस टाइम में भी तेजी आएगी। सेना के एविएशन कोर को मिलने वाले अपाचे हेलीकॉप्टर की यह पहली खेप है, जोकि मंगलवार को भारत पहुंची है। सेना का मानना है कि अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना की संचालन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे। सेना का कहना है कि इन अपाचे हेलीकॉप्टरों की तैनाती से थल सेना को आधुनिक युद्धक अभियानों में तेज, सटीक और शक्तिशाली हवाई समर्थन मिलेगा।

ओडिशा विजिलेंस ने आय से अधिक संपत्ति मामले में डीएफओ को किया गिरफ्तार

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा विजिलेंस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस ने आज केएल डिवीजन, क्योंझर के डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) नित्यनंद नायक को उनकी ज्ञात आय से कहीं अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। विजिलेंस ने डीएफओ के ठिकानों से दो सौ ग्राम सोना व दस लाख नकद सहित बैंक जमा राशि और दो कारों को भी जब्त किया है। ओडिशा फॉरेस्ट सर्विस (ओएफएस-) के वरिष्ठ अधिकारी नायक के खिलाफ पिछले दो दिनों से चल रहे तलाशी अभियान के दौरान उनके पास बड़ी मात्रा में अघोषित संपत्ति का होने खुलासा हुआ। विजिलैंस विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि जांच के दौरान विजिलेंस अधिकारियों ने नायक के पास 115 मूल्यवान भूखंड, अनुगुल जिले में नौ हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बना एक बहुमंजिला भवन और छेंडिपदा (अनुगुल) में लगभग 1.5 एकड़ में फैला एक भव्य फार्महाउस मिला है। फार्महाउस में 1,432 वर्ग फुट का आउट हाउस, 314 वर्ग फुट का एक अन्य निर्माण, दो बोरवेल, एक कुआं, लगभग 30 लाख की लागत से खुदवाया गया एक बड़ा तालाब और सैकड़ों नारियल, केला एवं आम के पेड़ लगे हैं। विजिलेंस अधिकारियों ने नायक के पास से 200 ग्राम सोना, 10.25 लाख नकद, 50.38 लाख से अधिक के बैंक जमा और दो चार पहिया वाहन भी जब्त किए हैं।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर क्यूआर कोड का आदेश लागू रहेगा, सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक से इनकार किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा मार्गों पर ढाबा-रेस्तरां पर क्यूआर कोड अनिवार्यता का आदेश लागू रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर रोक लगाने से फिलहाल इनकार किया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित खानपान की दुकान, ढाबों और रेस्तरां पर मालिकों के नाम बताने वाले क्यूआर कोड को अनिवार्य किया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एनके सिंह की बेंच ने मंगलवार को सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला देते हुए आदेश पर रोक लगाने से फिलहाल इनकार किया। जस्टिस सुंदरेश ने टिप्पणी करते हुए कहा, मैं एक धर्मनिरपेक्ष सोच वाला व्यक्ति हूं। मुझे व्यक्तिगत रूप से इससे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह से व्यक्तिगत पसंद का मामला है। अगर कोई रेस्तरां शुरू से ही पूरी तरह शाकाहारी है, तो उसमें कोई समस्या नहीं। लेकिन अगर वे केवल कांवड़ यात्रा के लिए अपने

मेनू बदल रहे हैं, तो वहां समस्या खड़ी हो सकती है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने क्यूआर कोड नियम को धार्मिक आधार पर प्रोफाइलिंग और मुस्लिम समुदाय का आर्थिक बहिष्कार करने वाला बताया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में पिछले फैसले का हवाला दिया। अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, ÷पिछले साल ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के इस तरह के फैसले पर रोक लगाई थी। ऐसे में इस नए आदेश के पहले सरकार को अदालत से अनुमति लेनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी एक और टिप्पणी में कहा, बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो वहां भोजन नहीं करते जहां मांसाहार भी बनता है। ऐसे में यह जानने के लिए कोई संकेत होना चाहिए कि वहां क्या परोसा जा रहा है। धार्मिक भावनाएं आहत न हों, लेकिन साथ ही किसी की आजीविका भी प्रभावित न हो। हमें बीच का रास्ता निकालना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, हम सिर्फ यह आदेश पारित करेंगे कि सभी संबंधित होटल मालिक वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन का सर्टिफिकेट प्रदर्शित करने के आदेश का पालन करें। हम स्पष्ट करते हैं कि हम अन्य विवादित मुद्दों पर अभी विचार नहीं कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जानकारी देते हुए अधिवक्ता बरुण सिन्हा ने कहा, क्यूआर कोड के मामले में न्यायालय ने मंगलवार को कोई आदेश पारित करने से इनकार कर दिया।

जुआ खेलते पकड़े गए पार्षद जोगिंदर सिंह को निष्कासित करें आआपा : देवेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने निगम पार्षद जोगिंदर सिंह के जुआ खेलते हुए रविवार को पकड़े जाने पर आम आदमी पार्टी (आआपा) पर हमला किया। उन्होंने कहा कि आआपा में थोड़ी सी भी नैतिकता बची हो, तो जोगिंदर सिंह को तुरंत प्रभाव से पार्टी से निष्कासित करें। देवेंद्र यादव ने विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि आआपा के नेताओं का भ्रष्टाचार में शामिल होना कोई नई बात नहीं लेकिन स्वरूप नगर वार्ड 19 के निगम पार्षद जोगिंदर सिंह का जुआ खेलते पकड़ा जाना उस पार्टी और उसके नेतृत्व के अस्तित्व पर प्रश्चचिन्ह लगाता है, जिसका वे सदस्य है। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आंदोलन के नाम पार्टी बनाकर उसमें अपराधियों, गैर सामाजिक लोगों, अवैध वसूली करने वालों को एकत्रित करके दिल्ली में भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बनाए। देवेंद्र यादव ने कहा कि आआपा के हाथ से दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम की सत्ता जाने के बाद पार्टी के नेता बेलगाम, अनियंत्रित और स्वतंत्रत होकर भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं। यहीं नहीं बड़ी संख्या में आआपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भ्रष्टाचारी नेतृत्व के कारण पार्टी से किनारा भी कर लिया है। निगम पार्षद का जुआ खेलते पकड़ा जाना निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का रिश्वत लेना साबित करता है कि आआपा में भ्रष्टाचार पूरी तरह व्याप्त है।

क्राइम ब्रांच ने 25.76 लाख रुपये की अवैध विदेशी सिगरेट जब्त की, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विदेशी ब्रांड की 1,88,400 प्रतिबंधित सिगरेट जब्त की है। जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत 25.76 लाख आंकी गई है। इस संबंध में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपित दो पुरुष और दो महिलाओं के साथ मिलकर योजना बना रहे थे। जिन्हें नोएडा-दिल्ली बॉर्डर से एक महिंद्रा स्कॉर्पियो में पकड़ा गया। यह कार्रवाई 20 जुलाई को इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी की देखरेख में की गई। पुलिस के मुताबिक क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि गुवाहाटी से दिल्ली में भारी मात्रा में प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट लाई जा रही है। इसके आधार पर तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचना के जरिए एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने सूचना के आधार पर नोएडा-दिल्ली बॉर्डर पर दबिश देकर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। वाहन की जांच में पाया गया कि उसमें रखी गई विदेशी सिगरेट की पैकिंग पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अनिवार्य चेतावनी चिह्न नहीं थे। पूछताछ के दौरान दोनों पुरुष आरोपित मुकीम और समीर ने बताया कि ये सिगरेट म्यांमार से गुवाहाटी के रास्ते दिल्ली लाई जा रही थीं। रास्ते में पुलिस की नजर से बचने के लिए उन्होंने दो महिलाओं को दिल्ली से 4000-4000 रुपये में किराए पर लिया था ताकि वे परिवार का दिखावा कर सकें।

बेलगाम ट्रक ने स्कूटी सवार दो लोगों को कुचला, एक की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में सोमवार सुबह एक बेलगाम ट्रक ने स्कूटी सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद कलाम (23) के रूप में हुई है। हादसे में घायल मुसब्बिर हुसैन (40) को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दरअसल दोनों एक ही स्कूटी पर सवार होकर किसी काम से निकले थे। कलाम पीछे बैठा हुआ था। मछली मार्केट पहुंचने पर इनको ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपित मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच कर रही है। बाहरी जिले के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि कलाम परिवार के साथ हरि एंक्लेव, अमन विहार में रहते थे। परिवार में मां मुन्नी खातून, एक बड़ा भाई व दो बहनें हैं। डीसीपी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे वह फैक्टरी के लिए निकला था। वहां पहुंचने पर फैक्टरी मालिक के भाई मुसब्बिर ने उसे अपने साथ चलने के लिए कहा। दोनों किसी काम से स्कूटी पर सवार होकर बाहर निकले। इस बीच मछली मार्केट पहुंचने पर पीछे से आए ट्रक ने इनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के समय मुसब्बिर स्कूटी चला रहा था।

विपक्ष ने की मानसून सत्र में प्रधानमंत्री की उपस्थिति की मांग, बताई प्राथमिकताएं

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने संसद सत्र के लिए अपनी प्राथमिकताएं रखीं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद में स्वयं इसका जवाब देने की मांग की। इन मुद्दों में पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, डोनाल्ड ट्रंप का बयान तथा बिहार एसआईआर प्रक्रिया शामिल हैं। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में विपक्ष के नेताओं की बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि विपक्ष मानसून सत्र के दौरान प्रमुख मुद्दों को उठायेगा और इस दौरान प्रधानमंत्री की उपस्थिति होनी चाहिए और उन्हें स्वयं इन पर जवाब देना चाहिए।

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे अपात्रों को किया जाएगा बाहर : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार मौजूदा सभी कल्याणकारी योजनाओं को परखा जाएगा और पात्रों को ही योजना का फायदा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाभ लेने वाले अपात्रों को इन योजना से बाहर किया जाएगा। सरकार गरीबों, बुजुर्गों और सरकारी आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले लोगों के कल्याण के लिए पूरी तरह समर्पित है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें सामाजिक कल्याण विभाग और अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आर्थिक सहायता सहित पुनर्वास, कौशल विकास, शैक्षिक सहायता और अन्य सामाजिक सेवाएं भी प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि गरीब, बुजुर्ग व अन्य वर्ग के लिए

सरकार कई योजनाएं चला रही हैं जिनमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सहायता योजना शामिल है। यह योजना 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को विशेष रूप से अनुसूचित जाति/जनजाति समुदायों या आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वालों को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र व्यक्तियों को उनकी आयु के अनुसार 2,000 रुपये से 2500 रुपये तक की राशि दी जाती है। इस योजना के तहत चार लाख से अधिक बुजुर्गों को यह राशि प्रदान की गई। इसका उद्देश्य यह है कि सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायता योजना (पीडब्ल्यूडी) भी चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत गंभीर दिव्यांगता वाले और आत्मनिर्भर नहीं हो सकने वाले व्यक्तियों को 2,500 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके तहत 1.34 लाख विकलांगो को यह राशि दी गई। इसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इसके अलावा दिल्ली पारिवारिक लाभ योजना (डीएफबीएस) के तहत ऐसे परिवारों को 20,000 रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाती है, जिन्होंने अपने घर के मुख्य कमाने वाले सदस्य को खो दिया हो। इसके अंतर्गत लगभग 1100 आश्रितों को यह मदद दी गई। यह सहायता परिवार को अचानक आए आर्थिक संकट से उबरने में मदद करती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि विभाग की स्माइल योजना (आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर पड़े व्यक्तियों को सहायता) का उद्देश्य भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पुनर्वास करना है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर विदेशी महिला ने की चोरी, गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर एक विदेशी महिला द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। आईजीआई पुलिस ने उक्त मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला की पहचान उज्बेकिस्तान निवासी मयरामकन कराबाशेवा (60) के रूप में हुई है। महिला को इमिग्रेशन अधिकारियों ने 18 जुलाई को दुबारा भारत आने पर आईजीआई एयरपोर्ट पर पकड़ा। जिसके बाद पुलिस ने उसे अपनी हिरासत में लिया। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता ईशिता कुल्लर ने 2 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी कि 15 जून 2025 की रात 11 बजे जब वह कुआलालंपुर से दिल्ली आई थीं, तो टर्मिनल-3 पर लगेज बेल्ट से उनके तीन महंगे हैंडबैग गायब थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने पीड़िता के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस टीम ने एयरपोर्ट के अंदर और बाहर के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की। एक फुटेज में एक विदेशी महिला को शिकायतकर्ता के बैग उठाते और तेजी से टर्मिनल से बाहर जाते देखा गया। बाद में महिला को टर्मिनल के बाहर एक टैक्सी में सवार होकर जाते भी कैमरे में कैद किया गया। टैक्सी का नंबर ट्रेस कर उसके मालिक से संपर्क किया गया। जिसने बताया कि वह महिला को पहाड़गंज इलाके में एक होटल तक छोड़ कर आया था। सीसीटीवी से मिली तस्वीर के आधार पर पुलिस ने पहाड़गंज के कई होटलों में पूछताछ की। आखिरकार, एक होटल के गेस्ट रजिस्टर से महिला की पहचान मयरामकन कराबाशेवा के रूप में हुई। जांच में पता चला कि महिला अगले ही दिन होटल से चेकआउट कर वापस उज्बेकिस्तान लौट गई थी। चूंकि वह विदेशी थी और फिर से भारत आने की संभावना थी, इसलिए उसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी कर दिया गया।

मुख्यमंत्री हरियाली तीज उत्सव में हुई शामिल, बोलीं- पर्व प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते का प्रतीक

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शालीमार बाग में आयोजित हरियाली तीज उत्सव में सम्मिलित हुईं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली की बहनों की मुस्कुराहट, लोक परंपराओं की मिठास और त्योहार की आत्मीयता को करीब से अनुभव किया। तीज पर्व प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते व नारी की आस्था, उम्मीद और ऊर्जा का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली, विविधताओं का संगम होने के साथ-साथ अपने लोकपर्वों की आत्मा को भी उतनी ही आत्मीयता से संजोती है। उन्होंने सभी दिल्लीवासियों को 25,26, 27 जुलाई को पीतमपुरा स्थित दिल्ली हाट में हरियाली तीज के रंगारंग और सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक समृद्धि और सामुदायिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजधानी में 25 जुलाई से तीन दिवसीय तीज मेला आयोजित करने जा रही है। दिल्ली हाट पीतमपुरा में आयोजित इस तीज मेले

का उद्घाटन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 25 जुलाई की शाम करेंगी। यह जानकारी दिल्ली सरकार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति दी गई थी। इस तीज मेले में पारंपरिक कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 80 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें हस्तशिल्प, पारंपरिक कपड़े, चूड़ी, ब्लॉक प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी, मेंहदी और पारंपरिक व्यंजन आदि शामिल होंगे। साथ ही महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं और स्टेज प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें मेंहदी, रंगोली, बिंदी सजावट, तीज क्वीन, तीज क्विज और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता प्रमुख रहेंगी। इन सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में 16 बड़ी चोरियों को अंजाम देने वाले दो कुख्यात चोर गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य जिले के स्पेशल स्टाफ ने अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपित दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में अब तक 16 से अधिक बड़ी चोरियों को अंजाम दे चुके हैं। पकड़े गए आरोपितों के कब्जे से 121 ग्राम चोरी का सोना, वारदात में इस्तेमाल किए गए कपड़े और जूते बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अकबर उर्फ फिरोज उर्फ बाबू (40) और रमेश उर्फ कल्लू (42) के रूप में हुई है। इनके तीसरे साथी मोनू उर्फ अभिषेक की तलाश जारी है।मध्य जिले के डीसीपी निधिन वलसन के अनुसार घटना का खुलासा तब हुआ जब 27 मई को ओल्ड राजेन्द्र नगर स्थित एक घर में चोरी की वारदात हुई। शिकायतकर्ता ने बताया कि चोरों ने घर में घुसकर सोना, चांदी, हीरे के जेवरात व 15-20 हजार नकद चोरी कर लिए थे। पुलिस ने मामला दर्ज किया। डीसीपी के अनुसार स्थानीय पुलिस के अलावा स्पेशल स्टाफ को जांच में वहीं रमेश पर 13 संगीन मामले दर्ज हैं जिनमें हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट भी शामिल हैं। दोनों वर्षों से फरार चल रहे थे और

लगाया गया। पुलिस टीम ने इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाली, तकनीकी विश्लेषण किया और फिर 18 जुलाई को शिवाजी पार्क, मिंटो रोड के पास दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि अकबर अकेले ही दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में 20 से अधिक चोरियों में शामिल रहा है। कोर्ट के द्वारा भगोड़े घोषित किए जा चुके थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपितों ने राजेन्द्र नगर के अलावा सीआर पार्क में 2 जून को हुई चोरी में भी शामिल होने की बात स्वीकार की है। वहां से उन्होंने एक किलो सोना, एक किलो चांदी और 20 लाख नकद चोरी किए थे।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री की उच्चस्तरीय बैठक, बोले- तीस से अधिक 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' की मिलेगी सौगात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में सचिवालय में दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई। इस उच्चस्तरीय बैठक में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण और नई दिल्ली नगर पालिक परिषद के अधिकारी भी मौजूद रहे। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की अहम बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इसी महीने दिल्लीवासियों को तीस से अधिक नए 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' की बड़ी सौगात मिलने वाली है। मंत्री ने कहा कि अगस्त महीने के अंत तक 75 और

नए 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' बनाकर दिल्ली के नागरिकों को समर्पित कर दिए जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एमसीडी के खाली पड़े समुदायिक केंद्रों, बारात घर, मार्केट में खाली पड़ी दुकानों, कम्युनिटी सेंटर, पॉली क्लिनिक, रेसिडेंशियल साइट के खाली पड़े स्थानों की पहचान कर दिल्ली सरकार 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' की स्थापना करने जा रही है। राजधानी दिल्ली के ग्रामीण इलाके के बस्ती विकास केंद्रों में भी 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' खोलने के लिए दिल्ली सरकार ने पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है। 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के निर्माण के लिए एमसीडी के कुल 429 स्थानों की पहचान चिन्हित की गई है, जिनमें से 98 जगहों के लिए एनओसी भी मिल चुकी है। दिल्ली में कुल 950 से अधिक स्थानों को चिन्हित कर वहां 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' स्थापित करने के लिए फिजिविलिटी की जांच की जा रही है। दिल्ली वासियों को समग्र, स्सती और सुलभ मेडिकल सुविधाएं प्रदान करने के लिए हमारी सरकार राजधानी में 1139 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' खोलने के लिए कृतसंकल्प है।

महापौर राजा इकबाल सिंह टाइकोंडो चैंपियनशिप में हुए शामिल, किया बच्चों को प्रोत्साहित

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह अशोक विहार श्री सनातन धर्म सेवा संस्थान में आयोजित टाइकोंडो चैंपियनशिप में शामिल हुए। साथ ही सभी प्रतिभागियों के उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान राजा इकबाल सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन न सिर्फ खेल भावना को बढ़ावा देते हैं, बल्कि आत्म-रक्षा, सेहत और टीमवर्क जैसी मूलभूत बातों को भी जीवन का हिस्सा बनाते हैं। इकबाल सिंह ने

कहा कि देश का असली सामर्थ्य बच्चों और युवाओं का आत्मविश्वास है। उन्होंने कहा कि खेलों में अनुशासन, पारदर्शिता और निष्पक्षता जैसे जरूरी विषयों पर चर्चा हुई। महापौर ने कहा कि खिलाड़ियों को अच्छा मंच देना और खेलों को आगे बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि किसी भी प्रकार का शारीरिक व्यायाम न केवल युवाओं को तंदुरुस्त रखता है बल्कि उनके एकाग्रता के स्तर को भी सुधारता है। उन्होंने कहा कि खेलों से बच्चों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक लाभ होते हैं।

अभाविप का दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ छात्रों की मांगो को लेकर प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने छात्र हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफछात्र अधिकार मार्च निकाला। मार्च के समापन के बाद अभाविप दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) पदाधिकारी अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। अभाविप ने यह मार्च दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) से आरंभ कर कला संकाय पर पहुंचकर संपन्न किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्रों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए।अभाविप ने अपनी मांगों में विश्वविद्यालय में केंद्रीयकृत हॉस्टल आवंटन प्रणाली को शीघ्र लागू करने एक कोर्स, एक फीस नीति को पीजी पाठ्यक्रमों में लागू किए जाने, कॉलेजों में अनैतिक रूप से बढ़ाई गई फीस को तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने एवं सभी कॉलेजों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का पूर्णतः गठन और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित

किए जाने जैसी मांग की। अभाविप दिल्ली प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार छात्रों की समस्याओं की अनदेखी कर रहा है। हम हॉस्टल, फीस और सुरक्षा जैसे मूलभूत मुद्दों को लेकर वर्षों से आवाज उठा रहे हैं। लेकिन किसी भी प्रकार का समाधान नही किया जा रहा और केवल औपचारिकता की जाती है। उन्होंने कहा कि यह छात्र अधिकार मार्च एक चेतावनी है। अब यदि प्रशासन ने संवाद और समाधान नहीं किया तो हमारा धरना और आंदोलन और व्यापक रूप लेगा। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नही होंगी तब तक हम धरने पर से उठेंगे नहीं। डूसू सचिव मित्रविंदा कर्णवाल ने कहा कि महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में विश्वविद्यालय की उदासीनता चिंताजनक है। आईसीसी का गठन केवल कागजों में नहीं जमीनी स्तर पर सक्रिय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम छात्राओं की गरिमा, सुरक्षा और शिकायत निवारण की पूरी व्यवस्था की मांग करते हैं तथा विश्वविद्यालय प्रशासन से अपनी मांगों को मानने की मांग करते हैं। डूसू उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि यह आंदोलन केवल मांगों की सूची नहीं है बल्कि छात्र समुदाय के अधिकारों की रक्षा का संकल्प है।

कांवड़ यात्रा के चलते दिल्ली के कई प्रमुख मार्ग 23 जुलाई सुबह 8 बजे तक रहेंगे बंद

एजेंसी

नई दिल्ली।राजधानी दिल्ली में कांवड़ यात्रा के मद्देनज़र 21 जुलाई सुबह 8 बजे से 23 जुलाई सुबह 8 बजे तक कई मुख्य मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू किए गए हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी कर आम जनता से इन मार्गों से बचने और वैकल्पिक रास्तों का प्रयोग करने की अपील की है।

ये मार्ग रहेंगे बंद

जी.टी. रोड (अप्सरा बॉर्डर से शाहदरा तक), सीमापुरी से अप्सरा बॉर्डर तक, आनंद विहार से अप्सरा बॉर्डर तक, जीटी. रोड से विवेक विहार अंडरपास तक, स्वामी दयानंद मार्ग से केशव चौक की ओर (जीटी रोड दिशा), पुस्ता रोड से शास्त्री पार्क की ओर जाने वाला मार्ग और केशव चौक से युधिष्ठिर सेतु (आईएसबीटी) तक जीटी. रोड का बायां कैरेजवे।

वैकल्पिक मार्ग -सीमापुरी से अप्सरा बॉर्डर की ओर जाने वाले वाहन रोड नंबर 56 अंडरपास का उपयोग करें। वहीं आनंद विहार से अप्सरा बॉर्डर जाने के लिए सीमापुरी अंडरपास का इस्तेमाल करें। जीटी रोड से विवेक विहार की ओर जाने वाले वाहन अप्सरा बॉर्डर होकर रोड नंबर 56 से जाएं। -स्वामी दयानंद मार्ग से आने-जाने वाले वाहन विकास मार्ग या एनएच-9 का उपयोग करें। पुस्ता रोड की ट्रैफिक एनएच-9 या रिंग रोड का रास्ता अपना सकती है।दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान इन प्रतिबंधित मार्गों से बचें और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस के दिशा-निर्देशों का पालन करें ताकि सभी यात्रियों की यात्रा सुगम और सुरक्षित बनी रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने किया नेवा सेवा केंद्र का उद्घाटन, बोले- उत्तरदायी एवं आधुनिक विधायी व्यवस्था की ओर अग्रसर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा परिसर में नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में गुप्ता ने कहा कि नेवा सेवा केंद्र का उद्घाटन और नेवा के पहले चरण की सफलता एक डिजिटल और पारदर्शी विधायिका की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया', कागज रहित शासन और 'वन नेशन, वन एप्लिकेशन' के विजन के अनुरूप है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछली सरकारों ने इस दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किया। नेवा के माध्यम से अब हम उस कमी को पूरा कर रहे हैं और एक उत्तरदायी एवं आधुनिक विधायी व्यवस्था की ओर अग्रसर हैं।

उन्होंने बताया कि पहले बैच के विधायकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए एप्लिकेशन की कार्यप्रणाली में गहरी रुचि दिखाई। प्रत्येक सदस्य को नेवा एप्लिकेशन से युक्त स्मार्टफोन प्रदान किया गया, जिससे वे कार्यसूची, प्रश्न, दस्तावेज और सत्र संबंधी जानकारी तक आसानी से पहुंच सकें। सदस्यों ने इस पहल की सराहना की और इसे रूप से भाग ले सकें और कागज रहित प्रणाली में सुगम रूप से रूपांतरित हो सकें। संसदीय कार्य मंत्रालय से आए विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने विधायकों के पहले बैच के लिए व्यावहारिक और विस्तृत प्रशिक्षण

विधायी कार्यों की दक्षता में सुधार के लिए एक उपयोगी कदम बताया। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि सोमवार से आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों को नेवा प्लेटफार्म के उपकरणों और कार्यप्रणाली की व्यावहारिक जानकारी देना है, ताकि आगामी मानसून सत्र में वे प्रभावी कार्यक्रम संचालित किया। यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण छह बैचों में क्रमबद्ध रूप से आयोजित किया जा रहा है,जिससे प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत और केंद्रित प्रशिक्षण सुनिश्चित हो सके। डिजिटल परिवर्तन को सशक्त करने के लिए, नव स्थापित नेवा सेवा केंद्र में 18 हाई-स्पीड कंप्यूटर लगाए गए हैं।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का सीबीआई अदालत में आत्मसमपर्ण, 25 तक अंतरिम जमानत मिली

गाजियाबाद। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने 40 लाख रुपये के फ्रॉड के मामले में सीबीआई/ईडी की विशेष अदालत में आत्मसमपर्ण कर दिया। जहां 25 जुलाई तक उन्हें अंतरिम जमानत दे दी गयी। इससे पहले अदालत ने इमरान मसूद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था इमरान मसूद नगर पालिका परिषद में 40 लाख के फ्रॉड के मामले में आरोपी हैं। सीबीआई जांच में दोषी पाए गए थे। वर्ष 2007 में सहारनपुर नगर पालिका में फ्रॉड हुआ था। इस मामले में उनके सहयोगी जुल्फिकार पहले ही अदालत में आत्मसमपर्ण कर चुके हैं। सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 जुलाई को अदालत ने चौथी बार उनके गैर जमानती वारंट जारी किए थे। नगर पालिका परिषद सहारनपुर के खाते से गैर कानूनी तरीके से लाखों रुपए निकालने के आरोपी सांसद इमरान मसूद ने सीबीआई/ ईडी कोर्ट मैं सरेंडर कर दिया। उसके वकील ने कोर्ट में अर्जी दाखिल कर अंतरिम जमानत दिए जाने की गुहार लगाई। कोर्ट ने सुनवाई के बाद 25 जुलाई तक के लिए इमरान मसूद को अंतरिम जमानत स्वीकार कर ली है। वर्ष 2007 में नगर पालिका परिषद सहारनपुर के चैयरमैन पद पर रहने के दौरान इमरान मसूद ने नगर पालिका के खाते से करीब 40 लाख रुपए निकाल लिए थे। इस मामले में नगर पालिका की ओर से इमरान मसूद और सहयोगी जल्फिकार अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। बाद में ईडी ने भी इमरान मसूद और जुल्फिकार अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। इस मामले में कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर इमरान मसूद और उसके सहयोगी जुल्फिकार अली के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानत थी वारंट जारी किए गए थे। जुल्फिकार अली ने विगत तारीख पर कोर्ट में उपस्थित होकर सरेंडर कर दिया था। इमरान मसूद ने भी कोर्ट में उपस्थितों का सरेंडर कर दिया ?। साथ ही अंतरिम जमानत दिए जाने के लिए अर्जी दखिल की। जिस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने आदेश जारी किए हैं अदालत सूत्रों के अनुसार इमरान मसूद वर्ष 2007 में सहारनपुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष थे।

संपादक की कलम से

क्या शहरी बस्तियों तक पहुंच पाएगा महिला सशक्तिकरण

साल 2025 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तेजी से कार्रवाई करें की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाएं अपने अधिकारों, सुरक्षा और सपनों के लिए संघर्षरत हैं, लेकिन वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति और समाज एवं परिवार की बेरुखी उनके जीवन को ज्यादा कठिन बना देती है। ब़े महानगरों सहित मेट्रो सिटी के रूप में विस्तार पा चुकी शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाओं की जिंदगी की सच्चाई को अगर करीब से देखा जाए, तो यह साफ हो जाता है कि उनकी समस्याएं केवल गरीबी और संसाधनों की कमी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह असमानता, भेदभाव, पलायन और सामाजिक एवं राजनीतिक उपेक्षा की गहरी ज़ों से भी ज़ुी हुई हैं। ऐसी स्थिति में, साल 2025 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तेजी से कार्रवाई करें की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। शहरी बस्तियों की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन करके आती है। छोटे शहरों एवं राज्यों की राजधानियों की कमोबेश यही स्थिति है। महानगरों में पलायन गांवों के साथ-साथ छोटे शहरों से भी होता है। पिछले कुछ दशकों में ग्रामीण एवं छोटे शहरों में रोजगार के अभाव ने पलायन को तेज किया है। गांवों में आज भी छुआछूत है, जिसकी वजह से दलित समुदाय पलायन कर शहरी बस्तियों में आ रहा है। इसलिए बस्तियों की कुल आबादी में एक ब़ा हिस्सा दलित एवं आदिवासी समुदायों का होता है। कुछ परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए शहरों का रुख करते हैं। यह सिलसिला दशकों से चल रहा है, जिसकी वजह से शहरी बस्तियों में रहने वाले परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी के साथ-साथ हाल के वर्षों में आए परिवार भी हैं। इन बस्तियों में रह रहे बहुत कम परिवार हैं, जो अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को बेहतर कर कॉलोनियों की तरफ चले गए। अधिकांश परिवार इन्हीं बस्तियों में स्थायी रूप से रहने लगे हैं। इन बस्तियों में पानी की किल्लत, शौचालयों की कमी, सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों का अभाव, स्वास्थ्य एवं शिक्षा का अभाव जैसे कई गंभीर मुद्दे हैं। महिलाएं इन समस्याओं से सबसे ज्यादा जूझ रही हैं। इनकी वजह से उनके जीवन पर नकारात्मक असर प़ता है। शहरी बस्तियों में हाल ही में पलायन करके आए परिवारों और वर्षों से रहने वाले परिवारों के बीच भी अक्सर सामाजिक और सांस्कृतिक संघर्ष देखने को मिलता है। विभिन्न राज्यों और भाषाई पृष्ठभूमियों से आने वाले परिवारों के बीच संसाधनों को लेकर टकराव, परंपराओं और जीवनशैली में मतभेद की वजह से अक्सर असहमति और तनाव उत्पन्न होते हैं। इस संघर्ष का सबसे अधिक बोझ महिलाओं को उठाना प़ता है, क्योंकि उन्हें ही पारिवारिक समायोजन और सामाजिक मेलजोल को बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी प़ती है। कई बार नई बस्तियों में हाल ही में आई महिलाएं स्थानीय भाषा न जानने के कारण सरकारी योजनाओं और समुदाय आधारित सहायता समूहों तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे वे और भी ज्यादा हाशिए पर चली जाती हैं। आर्थिक संकटों से जूझ रहे इन परिवारों की महिलाएं घरेलू कामगार, सफाई कर्मचारी, छोटे-मोटे कारीगर या असंगठित क्षेत्र की मजदूर होती हैं, जो घर एवं बाहर दोनों ही जगहों पर समस्याओं से जूझ रही हैं। कई महिलाएं घर से दूर काम करने जाती हैं, लेकिन उनके लिए सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा एक ब़ी चिंता का विषय बनी रहती है। कार्यस्थल पर महिलाओं को अक्सर असभ्य व्यवहार का सामना करना प़ता है। रात के समय इन बस्तियों की गलियां अंधेरे में ूबी रहती हैं, जिससे महिलाओं के लिए घर लौटना खतरे से खाली नहीं होता। शहरी विस्थापन के कारण शहर से दूर फेंक दिए जाने के कारण यह संकट और गहरा हो जाता है। महिलाओं के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर रोजगार से ज़ु कई प्रशिक्षण दिए जाते हैं, लेकिन उसका कोई फायदा उन्हें नहीं मिल पाता। एक तो बस्ती में स्वरोजगार के अवसर सीमित हैं, दूसरी बात यह कि वे कहीं अन्य जगह जाकर स्वरोजगार कर पाने में असमर्थ होती हैं।

बस्ती की ज्यादातर महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य और पोषण की अनदेखी कर देती हैं। अधिकांश बस्तियों में सुबह चार बजे उठकर पानी भरने के लिए लंबी कतारों में ख़ा होना महिलाओं की दिनचर्या का हिस्सा है। उनके पास इतना समय ही नहीं बचता कि वे अपने लिए कुछ सोच सकें। बस्ती में स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, और जब कभी वे बीमार प़ती हैं, तो सरकारी अस्पतालों की भी़ और लापरवाही उनके लिए एक नई समस्या बन जाती है। शहरी बस्तियों में महिलाओं के लिए शिक्षा भी एक ब़ी चुनौती है। कई ल़कियां किशोरावस्था में ही स्कूल छो़ देती हैं क्योंकि उनके घरवालों को लगता है कि पढ़ाई की बजाय घर का काम करना और छोटे भाई-बहनों की देखभाल करना ज्यादा जरूरी है। इसके साथ ही बालिकाओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई बालिकाएं घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कम उम्र से ही मां के साथ काम पर जाने लगती हैं।

इसके अलावा, घरेलू हिंसा इन बस्तियों की महिलाओं के लिए एक और गंभीर समस्या है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराना आसान नहीं होता और अगर कोई महिला हिम्मत करके शिकायत कर भी देती है, तो समाज और परिवार का दबाव उसे वापस उसी प्रता़ना भरी जिंदगी में धकेल देता है। कई महिलाओं को यह भी नहीं पता होता कि उनके लिए कानूनी मदद और सहायता समूह उपलब्ध हैं। इन बस्तियों के पुरुषों में शराब एवं जुए की लत एक आम समस्या है, जिसकी वजह से महिलाओं को घर चलाने के लिए कमाना भी प़ता है, घर का काम भी करना प़ता है और पति की प्रता़ना भी झेलनी प़ती है।

सुरक्षित सामुदायिक शौचालयों की कमी भी महिलाओं की समस्याओं को बढ़ा देती है। कॉलोनी की कई महिलाओं को खुले में शौच जाने को मजबूर होना प़ता है, जिससे वे कई बार यौन हिंसा की शिकार भी हो जाती हैं। कई बार शौचालयों की दूरी इतनी होती है कि महिलाएं रातभर खुद को रोकने की कोशिश करती हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर प़ता है।

6 घंटे से ज्यादा लगातार बैठने से सेहत पर प़ सकता बुरा असर, रिसर्च में खुलासा

आजकल की लाइफस्टाइल में घंटों बैठकर काम करना आम हो गया है. ऑफिस हो या घर, लोग लगातार 6-8 घंटे तक बैठकर लैपटॉप और मोबाइल में लगे रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक बैठना आपके शरीर के लिए कितना खतरनाक हो सकता है. रिसर्च बताती हैं कि जो लोग रोजाना 6 घंटे से ज्यादा बैठते हैं, उनमें मोटापा, हार्ट जिजीज और ायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. आइए जानते हैं कि ज्यादा देर तक बैठने से शरीर पर क्या असर प़ता है और इससे कैसे बचा जा सकता है.

वजन बढ़ने का खतरा

अगर आप घंटों एक ही जगह बैठे रहते हैं, तो शरीर की कैलोरी बर्न होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है. इससे पेट और कमर के आसपास चर्बी जमा होने लगती है और वजन तेजी से बढ़ता है.

दिल की बीमारियों का खतरा

शोध बताते हैं कि ज्यादा देर तक बैठने से हार्ट जिजीज का खतरा 30% तक बढ़ सकता है. इसकी वजह यह है कि लगातार बैठने से शरीर में ब्ल सर्कुलेशन धीमा हो जाता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है.

जो लोग ज्यादा देर तक बैठे रहते हैं, उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है. इससे शरीर की इंसुलिन पर प्रतिक्रिया करने की क्षमता कम होने लगती है और ब्ल शुगर का स्तर बढ़ जाता है, जिससे टाइप-2 ायबिटीज होने की संभावना बढ़ जाती है. लगातार बैठने से रीढ़ की हड्डी पर दबाव बढ़ता है, जिससे पीठ दर्द, कमर दर्द और गर्दन में अक़न हो सकती है। लंबे समय तक गलत पोजिशन में बैठने से स्पाइनल प्रॉब्लम्स भी हो सकती हैं.लगातार बैठे रहने और शारीरिक गतिविधि की कमी से दिमाग में ब्ल फ्लो कम हो सकता है, जिससे तनाव, चिंता और प्रिशन की समस्या बढ़ सकती है.

रसोई पर बाजार के हमले से चौपट होता स्वास्थ्य

आज रसोई पर संकट मंरा रहा है, बाजारवाद ने रसोई के अस्तित्व को ही बदल दिया है, न केवल रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य तो चौपट हो ही रहा है, हमारे पारिवारिक एवं भावनात्मक संबंध भी चरमरा रहे हैं। देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दशार्ती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर प़ा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं। जिन देशों में प्रतिव्यक्ति सर्वाधिक चेन किराना स्टोर एवं सुपरमार्केट हैं, वहां लोग ज्यादा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। नेचर फू पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए व्यक्ति, परिवार, समाज एवं सरकार को सख्त एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंक़े बताते हैं कि बीते ेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की खरीद बढ़ने से अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में भोजन पर

खर्च बहुत अधिक बढ़ा है। भारत में भी पिछले साल के अंत में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट कहती है कि लोगों के खाद्य बजट में सब्जियों, पैकेटबंद चीजों एवं जंक फूस की ही ब़ी हिस्सेदारी है। खाद्य पदार्थों के व्यापार पर नजर रखने वाली एजेंसी यूरोमॉनिटर के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा प्रोसेस् फू की प्रतिव्यक्ति सालाना बिक्री 2005 में दो किलोग्राम थी, जो 2019 में छह किलोग्राम और 2024 में आठ किलोग्राम हो गयी। सीएसइ (सेंटर फॉर साइंस एं इन्वायर्नमेंट) द्वारा भारत में किये गये अध्ययन से भी इसका खुलासा हुआ है कि जंक फू और पैकेटबंद भोजन मोटापा, कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। यह कितना ब़ा मुद्दा है, इसे इसी से समझा जा सकता है कि इस बार बजट से पहले की आर्थिक समीक्षा में अल्ट्रा प्रोसेस् फू पर अधिक टैक्स लगाने की सिफारिश की गयी थी। जाहिर है, अगर अभी नहीं संभले, तो बहुत देर हो जायेगी। इंसानों की तोंद बढ़ती जा रही है। इस बढ़ते मोटाने की भयावहता को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ जंग छ़ेी है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानंत्री ने कहा कि 2050 तक 44 करो़ भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। प्रधानमंत्री ने इन आंक़ों को खतरनाक बताते हुए मोटापे को मात देने के लिए लोगों को मंत्र भी दिये हैं। ये मंत्र हैं- खाने वाले तेल में लोग 10 फीसदी की कटौती एवं जीवनशैली में बदलाव करें। अगर समय पर इस पर ध्यान नहीं गया तो भविष्य में ब़ी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी। मोटापे की वजह से हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है। स्वाद में चटपटी और जब जरूरत हो, तब पैकेटबंद भोजन की उपलब्धता ने हमें अपने घर की रसोई की जगह बाजार पर निर्भर बना दिया है।इसके लिए बाजार ने कई तरह के लुभावने एवं बाजारवादी तर्क और नारे गढ़ रखे हैं। ये नारे और तर्क हमें लुभाते एवं गुलाम बनाते हैं। समय की बचत के नाम पर हमें मजबूर करते हैं कि हम अपने घर की रसोई को बंद ही रखें। हमारे खान-पान की परंपरा और पौष्टिकता पर यह एक तरह से हमला है। बाजार हमें सिखाना चाहता है कि परिवार में जब जिसको भूख लगे, वह बाजार जाए, आनलाइन ऑर्र करें औरखा ले। पहले परिवार के लोग एक साथ बैठकरखाते थे, तब परिवार का हर सदस्य एक दूसरे के सुख-दुख से परिचित होता एवं संवेदनाओं से ज़ुता था। दुख, परेशानियों, निराशाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाता था। सलाह मशविरा किए जाते थे। आज हमें बाजार सामूहिकता से काटकर वैयक्तिक एवं एकांगी बना रहा है। यदि हमने अपनी रसोई को सहेजकर नहीं रखा, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब हमें पूरी तरह बाजार के ब्बिाबंद भोजन पर ही निर्भर रहना प़े।

विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस् फूस की लत का शिकार बन चुके हैं। लोगों में स्वास्थ्य के नजरिए से हानिकारक इन खाद्य पदार्थों को लेकर जो लगाव है, वो शराब और तम्बाकू जितना ही बढ़ चुका है। बता दें कि दुनिया भर में 14 फीसदी लोग शराब के और 18 फीसदी लोग तम्बाकू के आदी बन चुके हैं। ऐसे में 14 फीसदी वयस्कों में अल्ट्रा-प्रोसेस् फू की दीवानगी एवं आकर्षण बेहद गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। यह जानकारी अमेरिका, ब्राजील और स्पेन के शोधकताओं द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे नौ अक्टूबर 2023 को द ब्रिटिश मेकिल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन 36 देशों में प्रकाशित 281 अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है।

आजकल मार्केट में पैकेटबंद एवं जंक फूस की भरमार है। चिप्स से लेकर दूध, मसाले और हर एक चीज प्लास्टिक, एल्युमिनियम या पेपर की पैकिंग के साथ आ रही है। सुविधा के नाम पर हो रहा यह हमला कई सारे साइ इफेक्ट्स दे रहा हैं। न सिर्फ ब़े बल्कि बच्चे भी पैकेटबंद चिप्स, जूस, कुकीज और नमकीन, नूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी भी तरह की खाने-पीने की चीज की अगर पैकेजिंग की जाती है तो उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और ज्यादा समय तक चलने के लिए तीन चीजें मिलायी जाती हैं। प्रीजर्वेटिव्स, नकली रंग और एक्स्ट्रा फैट। कुछ समय पहले आई एक स्टी में बताया गया कि पैकेटबंद फूस में इमल्सीफायर नाम का एक कंपाउं पाया जाता है, जो दिल की सेहत यानी हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक होता है, इससे कार्ायोवैस्कुलर बीमारियां हो सकती हैं, यह कंपाउं ब्ल प्रेशर लेवल को बढ़ा सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में इमल्सीफायर जब शरीर में पहुंचता है तो इससे शरीर की शक्ति क्षीण होने लगती है और कमजोरी-थकान-सुस्ती बढ़ती है।

पैकेटबंद भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैकेटबंद भोजन अक्सर अतिरिक्त चीनी, नमक और वसा से भरपूर होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इनमें फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना अधिक होती है, इनमें स्नेह, प्यार, अपनापन एवं ममत्व नहीं होने से यह पोषित नहीं होते। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि पैकेटबंद भोजन में पाए जाने वाले कुछ रसायन कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। बच्चों में पैकेटबंद भोजन का अधिक सेवन उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्राचीनकाल से ही हमारे देश में घर का चूल्हा यानी रसोई जहां स्वास्थ्य की प्रयोगशाला होती थी वही पूरे परिवार को ज़ोने का केंद्र रही है। यह रसोई ही थी जिसने परिवार को हर सदस्य से प्रेम करना सिखाया। एक दूसरे की इज्जत, सुरक्षा, देखभाल एवं स्वस्थ रहना सिखाया। संयुक्त परिवार के दिनों में सास-बहू, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी के बीच पनपे मतभेद को मनभेद में बदलने से रोका,भोजन बनाते या साथ बैठकर खाते समय सारे मतभेद, गुस्से को तिरोहित करना भी रसोई ने ही सिखाया। यही हाल पुरुषों का भी था। जब साथ बैठकर खाते थे, तो आपसी मतभेद, मनमुटाव हवा हो जाते थे। लेकिन आज उसी रसोई पर संकट मंरा रहा है।

आत्मनिर्भर खेती की पहल

– बाबा मायाराम

यह बदलाव की कहानी है पिछली कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2013 में इस मंच की स्थापना हुई। हालांकि अनौपचारिक रूप से इसकी प्रक्रिया पहले शुरू हो गई थी। इस काम को आगे बढ़ाने में प्रगतिशील किसान, गैर सरकारी संगठन ने योगदान दिया है।

अब रासायनिक खेती के दुष्परिणाम सामने आ गए हैं। देश के किसान भी अब इसे बखूबी समझ गए हैं। इसी के मद्देनजर ओशिा में देशी बीज सुरक्षा मंच काफी सक्रिय है। हर साल देसी बीज मेला भी आयोजित किया जाता है। उनकी इस पहल से कई किसान ज़ु रहे हैं। मैं कई बार ओशिा गया हूं और इस मंच के सक्रिय कार्यकताओं से मिला हूं। आज इस कॉलम में जैविक खेती की अनूठी पहल पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे इस पहल को समग्रता से समझा जा सके।

यह बदलाव की कहानी है पिछली कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2013 में इस मंच की स्थापना हुई। हालांकि अनौपचारिक रूप से इसकी प्रक्रिया पहले शुरू हो गई थी। इस काम को आगे बढ़ाने में प्रगतिशील किसान, गैर सरकारी संगठन ने योगदान दिया है।

मंच के संयोजक सरोज भाई ने बताया कि मंच का उद्देश्य देसी बीजों की सुरक्षा और संवर्धन करना है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, बाजार पर निर्भरता को कम करना और समाज व किसान को आत्मनिर्भर बनाना है। भोजन में पोषणयुक्त खाद्य शामिल करना है। ऋणमुक्त किसान और जहरमुक्त अनाज करना है, जिससे समाज स्वस्थ बने और किसानी बची रहे।

जब मैं पिछले साल ओशिा के बरगढ़ शहर गया तो मंच के कार्यकर्ता दशहरी बेहरा से लंबी बातचीत हुई थी। उन्होंने मुझे बीज बैंक दिखाया था, और खेती से ज़ुा साहित्य व पोस्टर प्रदर्शनी दिखाई थी। उन्होंने बताया कि मंच के प्रयासों से पौष्टिक अनाजों की खेती की ओर भी किसानों का ध्यान गया है और वे इनकी खेती कर रहे हैं।

कुछ साल पहले मुझे दशहरी बेहरा के साथ रायग़ा जिले का दौरा करने का मौका मिला था, वहां हमने मिश्रित खेती करने वाले कई किसानों से बातचीत की थी। पौष्टिक अनाजों की खेती करने वाले आदिवासियों के खेत देखे थे। मंच अपने वार्षिक कार्यक्रमों में किसानों को ज़ोने के लिए प्रयासरत है।

देसी बीज सुरक्षा मंच ने प्राकृतिक जैविक खेती को बढ़ावा दिया है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हऱी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं।

इसके अलावा, समुदाय आधारित 20 बीज बैंक बनाए गए हैं। इनमें 1300 धान की देसी किस्में, 90 सब्जी के देसी बीज, 10 दलहन के बीज शामिल हैं। इसके साथ ही 10 स्कूलों में किचन गार्न का काम किया जा रहा है। इसे स्कूली पाठ्यक्रम से भी ज़ोने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मंच से गैर सरकारी संस्थाएं, जैविक खेती करने वाले किसान और जागरूक नागरिक ज़ु हैं। यहां के मीयिा ने भी इस खेती के प्रचार-प्रसार में मदद दी है। जैविक खेती के किसान सुदाम साहू बताते हैं कि वे बहुत कम उम्र से खेती करने लगे थे। जब वे 7 वीं कक्षा में पढ़ते थे, तब से उनके मां-बाप के साथ खेती सीख रहे थे।

स्वास्थ्य के प्रति करना होना होगा जागरूक

रमेश सर्राफ धमोरा

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर प़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से ज़ु सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पी़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को ीपीटी का टीका देना प़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में ॅक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक ॅक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग ब़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां ब़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पी़ित हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।भारत में इलाज पर अपनी जेब से खर्च करने वाले पी़ित लोगों की संख्या ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भारत की तुलना में इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से अधिक खर्च करने वाले लोगों का देश की कुल जनसंख्या में प्रतिशत श्रीलंका में 2.9 फीसदी, ब्रिटेन में 1.6 फीसदी, अमेरिका में 4.8 फीसदी और चीन में 17.7 फीसदी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी भी बहुत से लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आबादी का 3.9 फीसदी यानी 5.1 करो़ भारतीय अपने घरेलू बजटा का एक चौथाई से ज्यादा खर्च इलाज पर ही कर देते हैं। जबकि श्रीलंका में ऐसी आबादी महज 0.1 फीसदी है,

ब्रिटेन में 0.5 फीसदी, अमेरिका में 0.8 फीसदी और चीन में 4.8 फीसदी हैं। इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा खर्च करने वाली आबादी का वैश्विक औसत 11.7 फीसदी है। इनमें 2.6 फीसदी लोग अपनी आय का 25 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इलाज पर खर्च करते हैं और दुनिया के करीब 1.4 फीसदी लोग इलाज पर खर्च करने के कारण ही अत्यंत गरीबी का शिकार हो जाते हैं। देश के ग्रामीण अंचल में जब तक सही व समुचित स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध नहीं हो पायेगी तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य की योजना पूरी नहीं हागी।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 'बलूचिस्तान ऑनर किलिंग' पर स्थगन प्रस्ताव

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने बलूचिस्तान ऑनर किलिंग पर स्थगन प्रस्ताव करते हुए बहस कराने की मांग की है। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती से इस घटना की गहन जांच कराने का आह्वान किया है। बलूचिस्तान पुलिस ने कहा कि इस घटना में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस नृशंस हत्याकांड में पकड़े गए लोगों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। डान अखबार की खबर के अनुसार, पीपीपी के कई सांसदों ने नेशनल असेंबली सचिवालय में एक स्थगन प्रस्ताव पेश किया है। इसमें बलूचिस्तान में तथाकथित सम्मान के नाम पर एक पुरुष और एक महिला की नृशंस हत्या पर बहस कराने की मांग की गई है। मांग की गई है कि इस बर्बर हत्याकांड पर चर्चा के लिए सदन की नियमित कार्यवाही स्थगित कर दी जाए। प्रस्ताव में सदन से इस अपराध की कड़े शब्दों में निंदा करने का आग्रह किया गया। स्थगन प्रस्ताव पर सांसद शाजिया मर्री, राजा परवेज अशरफ, शाहिदा रहमानी, मेहरीन रज्जाक भुट्टो, आगा रफीउल्लाह और अन्य के हस्ताक्षर हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, शरीफ ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री से बात की और इस बात पर जोर दिया कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

2018 विमान हादसा : अदालत ने यूएस-बांग्ला एयरलाइंस को 17 नेपाली परिवारों को मुआवजा देने का आदेश दिया

काठमांडू। काठमांडू जिला न्यायालय ने बांग्लादेश की विमान कंपनी यूएस-बांग्ला एयरलाइंस को मार्च 2018 में हुए हादसे में मारे गए नेपाली लोगों के परिवारों को मुआवजा देने का आदेश दिया है। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर उतरते समय यूएस-बांग्ला के विमान में आग लगने से उसमें सवार 71 यात्रियों में से 51 यात्रियों की मौत हो गई थी। इस विमान में अधिकांश नेपाली छात्र मौजूद थे, जो मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर अपने घर आ रहे थे। इस विमान हादसे में पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने से मना करने पर यूएस-बांग्ला एयरलाइंस के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया था। इंश्योरेंस समझौते में प्रत्येक मृतक के परिवार को 20,000 डॉलर के बीमा भुगतान करने की शर्त नहीं मानने पर पीड़ित नेपाली परिवारों की ओर से याचिका दायर करते हुए पूरी राशि भुगतान करने की मांग की गई थी। अदालत ने एयरलाइंस कंपनी को हादसे से प्रभावित 17 नेपाली परिवारों को कुल 2.74 मिलियन डॉलर या 378.60 मिलियन रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। काठमांडू जिला न्यायालय के सूचना अधिकारी दीपक कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि फैसले के पूर्ण पाठ को जारी होने में कुछ समय लग सकता है। यह फैसला न्यायाधीश दिवाकर भट्ट ने दिया, जो 16 मृतकों और एक जीवित व्यक्ति के परिवारों द्वारा दायर मामले की सुनवाई कर रहे थे।

हॉलीवुड अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर का 54 वर्ष की आयु में निधन

सैन जोस (कोस्टा रिका)। मध्य अमेरिका स्थित कोस्ट रिका में परिवार के साथ छुट्टियां मनाने गए हॉलीवुड अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर नहीं रहे। 54 वर्षीय वार्नर समुद्र में तैरते वक्त तेज लहरों की चपेट में आ गए। सांस रुकने की वजह से उनकी जान चली गई। कोस्टा रिका पुलिस ने रविवार को लिमोन शहर के कोक्लेस बीच के पास उनके शव की पहचान की। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, वार्नर के परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं। अस्सी के दशक के टीवी पर थियो बनकर उन्होंने खास पहचान बनाई थी। मात्र 14 साल की उम्र में धारावाहिक द कॉस्बी शो में उन्होंने आम मध्यमवर्गीय अश्वेत युवा की जिंदगी को पर्दे पर जिया। न्यू जर्सी के मूल निवासी वार्नर ने नौ साल की उम्र में अभिनय करना शुरू किया और फेम जैसे शो में नजर आए। उन्हें 1984 से 1992 तक चलने वाले द कॉस्बी शो में बिल कॉस्बी और फिलिसिया रशद के किरदारों, हीथक्लिफ और क्लेयर हक्सटेबल के इकलौते बेटे की भूमिका मिली। वार्नर को 1986 में द कॉस्बी शो में प्राइम टाइम एमी के लिए नामांकित किया गया। उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप भी लगा। उन्होंने 2015 में जीसस चिल्ड्रन गीत के लिए सर्वश्रेष्ठ पारंपरिक प्रदर्शन का पुरस्कार जीता। उन्हें 2023 में सर्वश्रेष्ठ स्पोकन वर्ड पोएट्री एल्बम के लिए सराहना मिली। उन्हें इसके लिए ग्रैमी के लिए भी नामांकित किया गया था।

ओली ने पार्टी नेताओं को दी चेतावनी, कहा - विद्या भंडारी के पक्ष में बोलना बंद करो

काठमांडू। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पार्टी नेताओं को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि कोई नेता पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी के पक्ष में सामने आता है तो उसे अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना होगा। पार्टी की केंद्रीय समिति की सोमवार को हुई बैठक में ओली ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने पार्टी के ऐसे नेताओं को चेतावनी दी जो लगातार पूर्व राष्ट्रपति के लिए प्रवक्ता के रूप में मीडिया में या पार्टी बैठक के बाहर बयान दे रहे हैं। केंद्रीय समिति के एक सदस्य के अनुसार, ओली ने विशेष रूप से कुछ नेताओं की ओर इशारा किया। उन्होंने कथित तौर पर ऐसे नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। ओली ने कहा कि उन्होंने रविवार को यूएमएल पार्टी कार्यालय में भंडारी के साथ लगभग दो घंटे की बातचीत की। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति भंडारी को राजनीतिक सुझाव दिए।

बांग्लादेश एयरफोर्स जेट क्रैश में 27 की मौत, 25 बच्चे शामिल

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश एयर फोर्स के विमान दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है, जिनमें से 25 छात्र हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी है। दक्षिण एशियाई राष्ट्र के सशस्त्र बलों के मीडिया प्रभाग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, वायुसेना के एफ-7 बीजीआई ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट ने दोपहर 1 बजकर 6 मिनट (स्थानीय समयानुसार) पर उड़ान भरी और करीब डेढ़ बजे ढाका के उत्तरा स्थित माइलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज की इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मंगलवार सुबह एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, ढाका स्थित नेशनल बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी इंस्टीट्यूट के मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक सईदुर रहमान ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि करीब 78 लोगों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा

है। पांच लोगों की हालत गंभीर है। प्रमुख बांग्लादेशी अखबार, द डेली स्टार ने रहमान के हवाले से बताया, मृतकों में 25 बच्चे हैं, जिनमें कई की उम्र 12 साल से कम है। अन्य दो पीड़ितों में विमान का पायलट और एक स्कूल शिक्षिका शामिल हैं। करीब 78 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है, जिनमें पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। 20 शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है, जबकि छह शवों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। इनके डीएनए सैंपल ले लिए गए हैं। घायलों में अधिकांश बच्चे ही हैं। आईएसपीआर के मुताबिक, इस हादसे में कुल 171 लोग घायल हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बांग्लादेशी सेना के जवान और फायर सर्विस के आठ इंजन घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फायर सर्विस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि एयरक्राफ्ट स्कूल की दो मंजिला इमारत से टकराया।फायर सर्विस एंड सिविल डिफेंस के महानिदेशक ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद जाहेद कमाल ने बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र प्रोथोम अलो से कहा, दो मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर तीसरी और चौथी कक्षा की पढ़ाई चल रही थी, जबकि दूसरी मंजिल पर दूसरी और पांचवीं कक्षा के बच्चे मौजूद थे।

ढाका विमान हादसाः भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सरकार को भेजा पत्र, घायलों के इलाज में सहयोग की पेशकश

एजेंसी

ढाका/नई दिल्ली । माइलस्टोन स्कूल हादसे को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग देने की पेशकश की थी। इसी क्रम में, भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को औपचारिक रूप से बांग्लादेश सरकार को पत्र लिखा है। भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सरकार को पत्र लिखकर हादसे में घायल लोगों के लिए भारत में आवश्यक किसी भी महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता की जानकारी साझा करने का अनुरोध किया है।

भारतीय उच्चायोग ने यह भी कहा कि घायलों के उपचार के लिए भारत की ओर से सभी आवश्यक सुविधाएं और समर्थन सुनिश्चित किया जाएगा। ढाका विमान हादसे के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा था,'ढाका में हुए विमान हादसे में कई लोगों की (जिनमें अधिकतर छात्र

हैं) मौत और घायल होने की खबर से बेहद दुखी और स्तब्ध हूं। हम दुख की घड़ी में परिवारों के साथ हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। भारत इस मुश्किल घड़ी में बांग्लादेश के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता देने को तैयार है।

हूती विद्रोहियों ने इजरायल में कई ठिकानों पर ड्रोन हमलों का दावा किया

एजेंसी

सना । यमन के हूती विद्रोही संगठन ने इजरायल पर ड्रोन हमले का दावा किया है। हूती की ओर से कहा गया है कि उसने इजरायल में सैन्य और महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाते हुए पांच ड्रोन हमले किए। हालांकि, इन हमलों में इजरायल की ओर से किसी बड़े नुकसान की जानकारी नहीं दी गई है। हूती-नियंत्रित अल-मसीरा टीवी के मुताबिक, एक बयान में संगठन के प्रवक्ता याह्या सारी ने कहा कि जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें बेन गुरियन एयरपोर्ट, तेल अवीव में एक सैन्य ठिकाना, इलात बंदरगाह, रेमन एयरपोर्ट और अशदोद क्षेत्र में एकमहत्वपूर्ण ठिकाना शामिल हैं। हूती संगठन ने इसे सफल ऑपरेशन बताया है। याह्या सारी ने कहा कि यह हमला गाजा में फिलिस्तीनी लोगों के समर्थन में और यमन के होदेइदाह बंदरगाह पर इजरायली हवाई हमलों की प्रतिक्रिया में किया गया। हालांकि, उन्होंने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने यह भी चेतावनी

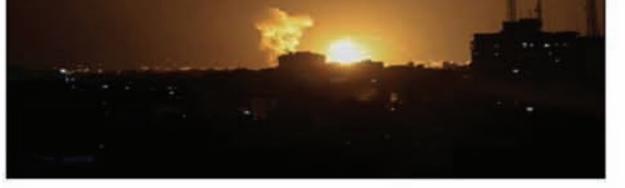

दी कि जब तक गाजा पर हमला बंद नहीं होता और फिलिस्तीनियों पर लगाए गए प्रतिबंध हटाए नहीं जाते, तब तक इजरायल के खिलाफ हमले जारी रहेंगे। चीनी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इजरायल की ओर से हूती हमलों के दावे पर कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई है। ये घटनाएं उन इजरायली हवाई हमलों के कुछ घंटे बाद सामने आईं, जो यमन के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित होदेइदाह बंदरगाह को निशाना बनाकर किए गए थे।इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि इन हमलों में सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया और उसे नष्ट कर दिया गया। इसमें बंदरगाह सुविधाओं के पुनर्निर्माण में इस्तेमाल होने वाले इंजीनियरिंग उपकरण, ईंधन कंटेनर, दुश्मनीपूर्ण समुद्री गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले जहाज और अन्य हूती की अन्य संपत्तियां शामिल थीं।

ट्रंप ने मार्टिन लूथर किंग हत्याकांड की फाइलें जारी कीं

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने घोषणा की है कि प्रशासन ने नागरिक अधिकार कार्यकर्ता मार्टिन लूथर किंग जूनियर (एमएलके) की हत्या से संबंधित 230,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेज जारी कर दिए हैं। गबार्ड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या से जुड़े दस्तावेज जारी कर दिए गए हैं। इनमें उन सवालों के जवाब छिपे हैं जो पिछले 60 साल से पूछे जा रहे थे। गबार्ड के अनुसार, इन दस्तावेजों में मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या की एफबीआई जांच, संभावित सुरागों पर चर्चा, मामले की प्रगति का विवरण देने वाले आंतरिक एफबीआई मेमो, जेम्स अर्ल रे के पूर्व सेल मेट (सह कैदी) के बारे में जानकारी, जिसने कहा था कि उसने रे के साथ कथित हत्या की साजिश पर चर्चा की थी, और बहुत कुछ शामिल है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पदभार ग्रहण करने के तीन दिन बाद, 23 जनवरी को, ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी, उनके भाई रॉबर्ट एफ. कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित शेष फाइलों को सार्वजनिक करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। 1977 में एक अदालती आदेश के बाद, एफबीआई द्वारा एकत्र किए गए रिकॉर्ड, जिनकी कुल संख्या 240,000 से अधिक थी, को सार्वजनिक रूप से देखने से रोक दिया गया और बदले में उन्हें राष्ट्रीय अभिलेखागार और अभिलेख प्रशासन में रखा गया।

किंग के परिवार, जिसमें उनके दो जीवित बच्चे, मार्टिन तृतीय और बर्निस, शामिल हैं, को ट्रंप प्रशासन द्वारा फाइलें जारी करने के निर्णय के बारे में सूचित कर दिया गया था और उनकी अपनी टीमें रिकॉर्ड की समीक्षा कर रही थीं। हालांकि, किंग के परिवार के कई सदस्यों ने दस्तावेजों को जारी करने का विरोध किया। एम.एल.के. नाम से मशहूर किंग मार्टिन लूथर जूनियर अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन के सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक हैं। नस्लीय भेदभाव और असमानता के विरुद्ध अहिंसक अभियानों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनके प्रसिद्ध आई हैव अ ड्रीम भाषण के लिए उन्हें व्यापक रूप से जाना जाता है।

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में बाढ़ का कहरः बहे आठ वाहन, चार पर्यटकों की मौत, 15 लापता

एजेंसी

कराची । गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) के डायमर जिले में मूसलधार बारिश के बाद आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। बाबूसर इलाके में चार पर्यटकों के मारे जाने की खबर है। दो लोग घायल हैं, जबकि 15 लोग लापता हैं।

गिलगित-बाल्टिस्तान में जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभाव देखे जा रहे हैं, जहां बादल फटने से आई बाढ़ ने पूरे क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फाराक ने बताया कि थाक क्षेत्र में बाढ़ के कारण आठ टूरिस्ट व्हीकल बह गए। फैजुल्लाह फाराक ने करीब 15 पर्यटकों के लापता होने की पुष्टि की है। इनके अलावा अब तक चार शव बरामद

किए गए हैं। इन मृतकों में एक महिला भी है, जो पंजाब के लोधरां की रहने वाली थी। घायलों और मृतकों को स्थानीय अस्पताल में भेज दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि बाढ़ के चलते बाबूसर हाईवे भी बंद हो गया है। क्षेत्र में संचार और बिजली की व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अब्दुल हमीद ने पाकिस्तान के प्रमुख अखबार 'डॉन' को बताया कि भयावह बाढ़ के चलते स्थिति बेहद चिंताजनक है। बाढ़ से लगभग सात किलोमीटर का क्षेत्र प्रभावित है। गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे लोगों को बचाने और उनकी सहायता के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करें।

इस भीषण बाढ़ से कृषि भूमि, फसलों, पेड़ों, और सार्वजनिक और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। एसएसपी अब्दुल हमीद का अनुमान है कि देश के विभिन्न हिस्सों से आए 20 से 30 पर्यटक फिलहाल लापता हो सकते हैं। बचाव दल उनकी खोज में लगे हैं, हालांकि लगातार बारिश के कारण रेस्क्यू मिशन में रुकावट आ रही है। इस बाढ़ ने काराकोरम राजमार्ग के एक हिस्से को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसके चलते दोनों ओर सैकड़ों पर्यटक फंस गए हैं।

पाकिस्तान के उच्च सदन सीनेट में सत्तारूढ़ गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत मिला

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सत्तारूढ़ गठबंधन ने उच्च सदन सीनेट में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। इसमें पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसके बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज (पीएमएल-एन) हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, पीपीपी ने उच्च सदन में 26 सीटें हासिल की हैं। उसके बाद पीटीआई के पास 16 सीनेटर हैं और छह स्वतंत्र सांसदों का भी समर्थन है। पीएमएल-एन के पास अब 20 सीटें हैं। बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) के पास

चार सीटें हैं। मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) और अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) के पास तीन-तीन सीनेटर हैं। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के पास भी अब कुल 7 सीनेटर हैं। पीटीआई ने खैबर-पख्तूनख्वा से 11 सीनेट सीटों में से छह सीटें हासिल कीं। यहां सीनेट चुनाव हुए। एक दिन पहले खैबर-पख्तूनख्वा विधानसभा में आरक्षित सीटों पर चुने गए 25 विपक्षी सांसदों ने शपथ ली। इन नए सांसदों के शामिल होने के साथ 8 फरवरी, 2024 के आम चुनाव के लगभग डेढ़ साल बाद विधानसभा अंततः पूरी तरह से गठित हो गई। इन सांसदों के शपथ ग्रहण ने प्रांतीय विधानसभा में 11 सीटों के लिए सीनेट चुनाव का मार्ग प्रशस्त किया।

लेबनान-इजरायल सीजफायर के लिए कूटनीतिक प्रयास जरूरीः अमेरिकी दूत थॉमस बैरक

एजेंसी

बेरूत । अमेरिकी विशेष दूत थॉमस बैरक ने लेबनान की संप्रभुता और शांति प्रक्रिया को बनाए रखने में वॉशिंगटन के योगदान का जिक्र किया। साथ ही स्पष्ट किया कि अमेरिका इजरायल को किसी बात के लिए मजबूर नहीं कर सकता। थॉमस बैरक ने लेबनानी प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'अमेरिका की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वह इजरायल को बाध्य करे।' 'सिन्हुआ समाचार एजेंसी' के मुताबिक थॉमस बैरक तुर्किये में अमेरिका के राजदूत और सीरिया के लिए विशेष दूत की भूमिका भी निभा रहे हैं। वह रविवार को बेरूत पहुंचे। यह जून के बाद से उनकी तीसरी यात्रा है। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों, राजनेताओं और धार्मिक नेताओं से मुलाकात की। बैरक ने कहा कि भले ही लेबनान और इजरायल के बीच सीजफायर समझौता प्रभावी हो गया, लेकिन यह सफल नहीं हो पाया। उन्होंने स्वीकारा कि इसकी विफलता के पीछे कुछ कारण हैं और उन कारणों को दूर करना एक सामूहिक प्रयास है, जो इस समय जारी है। उन्होंने बताया कि अमेरिका अपने कूटनीतिक प्रयास के जरिए इस संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी दूत ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह का निरस्त्रीकरण 'पूरी तरह से एक आंतरिक मामला' है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वॉशिंगटन इस दिशा में समर्थन देने के लिए लेबनानी सरकार के साथ काम करने को तैयार है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी राजदूत थॉमस बैरक को एक मसौदा ज्ञापन सौंपा, जिसमें 27 नवंबर 2024 से इजरायल के साथ प्रभावी हुए युद्धविराम के बाद लेबनान की प्रतिबद्धताओं का विवरण दिया गया है। लेबनानी राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, ज्ञापन में लेबनान की यह मंशा दोहराई गई है कि वह अपने पूरे भू-भाग पर राज्य की पूर्ण संप्रभुता को सशस्त्र बलों के माध्यम से लागू करेगा। हथियारों के स्वामित्व को केवल लेबनानी सेना तक सीमित रखा जाएगा, और युद्ध तथा शांति से संबंधित सभी फैसले लेबनान की संवैधानिक संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र में ही रहेंगे। यह प्रक्रिया लेबनान की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर संप्रभुता बनाए रखने, पुनर्निर्माण कार्यों की शुरुआत करने और इकोनॉमिक रिकवरी को आगे बढ़ाने के साथ-साथ समानांतर रूप से चलेगी।

हालांकि, अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता में हुआ युद्धविराम समझौता इजरायल की दक्षिणी लेबनान से पूर्ण वापसी की अपील करता है, फिर भी इजरायली सेना ने समय-समय पर लेबनान में हमले किए हैं। इजरायल का दावा है कि ये हमले हिजबुल्लाह के खतरों को खत्म करने के लिए किए गए।

18 फरवरी तक पूरी तरह वापसी की समय-सीमा के बावजूद, इजरायल ने लेबनानी सीमा क्षेत्र में पांच प्रमुख ठिकानों पर अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है।

अमेरिका की सरकारी एजेंसियों और कंपनियों पर हैकर्स का हमला

एजेंसी

वाशिंगटन। हैकर्स ने माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर का इस्तेमाल करने वालों की चिंता बढ़ा दी है। माइक्रोसॉफ्ट के शेयरपॉइंट एप्लिकेशन में कमजोरी का फायदा उठाते हुए हैकर्स ने अमेरिका की सरकारी एजेंसियों और कंपनियों पर बड़ा साइबर हमला किया है। अमेरिकी सरकार, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने इसकी जांच शुरू कर दी है। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, अधिकारियों और निजी शोधार्थियों ने पुष्टि की है कि हैकर्स ने माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर का प्रयोग करने वालों को निशाना बनाया है। इनमें अमेरिका की सरकारी एजेसिंया और कुछ नामी-गिरामी कंपनियां भी हैं। यह वैश्विक हमला है। विशेषज्ञों का कहना है कि हजारों सर्वर खतरे में हैं। माइक्रोसाफ्ट ने इस खामी से निपटने के लिए कोई उपाय भी नहीं बताए हैं। इस वजह से दुनिया भर के उपभोक्ता इससे निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

पिछले साल अमेरिकी सरकार और उद्योग विशेषज्ञों के पैनल ने इसके लिए माइक्रोसॉफ्ट की आलोचना भी की थी। 2023 में चीन के हैकर्स ने अमेरिकी सरकार के ई-मेल हैक किए थे। इनमें तत्कालीन वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो के ई-मेल भी शामिल थे। अधिकारियों ने कहा कि हालिया हमला केवल उन्हीं सर्वरों को प्रभावित कर रहा है, जिसका प्रयोग सरकार करती है। कंपनी ने रविवार शाम सॉफ्टवेयर के एक संस्करण के लिए एक पैच जारी किया मगर उसके दो अन्य संस्करण अभी भी असुरक्षित हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह एक और पैच विकसित करने के लिए काम कर रही है। साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडम मेयर्स का कहना है कि जिस किसी के पास भी होस्टेड शेयर प्वाइंट सर्वर है, उसे कोई न कोई समस्या है। संयुक्त राज्य अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने बयान में कहा कि उसे इस मामले की जानकारी है। संघीय सरकार और निजी क्षेत्र के साझेदारों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। इस बारे में पालो ऑल्टो नेटवर्क्स की यूनिट 42 के वरिष्ठ प्रबंधक पीट रेनल्स ने कहा कि दुनिया भर के हजारों शेयर प्वाइंट सर्वर पर हमला कर वाणिज्यिक और सरकारी संगठनों को पंगु कर दिया गया है।

नेपाल से भारत लाए जा रहे 133 किलो गांजा से भरी कार को खाई में गिराकर तस्कर फरार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल से तस्करी के लिए भारत ले जाए जा रहे 133 किलो गांजा से भरी कार को उसमें सवार कार चालक समेत तीन लोग उसे खाई में गिरा कर फरार हो गए। रौतहट जिले के पुलिस उपाधीक्षक

राजन कार्की ने मीडियाकर्मियों को बताया कि नियमित जांच के लिए एक कार को रोकने का संकेत दिया गया, लेकिन चालक ने कार नहीं रोकी और पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ते हुए कार लेकर वह फरार हो गया। पुलिस टीम ने कार का पीछा किया, लेकिन कार को खाई में गिराने की कोशिश कर वे फरार हो गये। कार में चालक समेत तीन लोग सवार थे। पुलिस उपाधीक्षक कार्की के मुताबिक कार सड़क किनारे करीब 25 मीटर नीचे झांझ खोला किनारे अटक गयी थी जिसे क्रेन के सहारे निकाला गया। इस गाड़ी से 133 किलो गांजा बरामद किया गया। फरार तीनों लोगों की पहचान तो नहीं हो सकी है, लेकिन चालक का लाइसेंस और गाड़ी के कागजात बरामद कर लिए गए हैं। उन्होने बताया कि बरामद गांजा को भारत में तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था।

ऑस्ट्रेलियाः मेलबर्न में चाकूबाजी, अलग-अलग घटनाओं में दो लोग घायल

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में शॉपिंग सेंटरों में 24 घंटे के भीतर चाकूबाजी की दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोग घायल हो गए। गंभीर हालत में दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार शाम लगभग 6-30 बजे, मेलबर्न से 15 किलोमीटर उत्तर में स्थित ब्रॉडमेडोज उपनगर के एक शॉपिंग सेंटर में चाकूबाजी की घटना सामने आई। एक पीड़ित को चाकू के घाव के साथ पाया गया, जिसके बाद आपातकालीन सेवाओं को तुरंत बुलाया गया। पुलिस ने उसकी पहचान की पुष्टि नहीं की है, लेकिन न्यूज कॉर्प ऑस्ट्रेलिया के अखबारों ने बताया है कि पीड़ित 17 वर्षीय लड़का था।

गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने से पहले उसका घटनास्थल पर ही इलाज किया गया।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, शनिवार रात एक अलग घटना में, मेलबर्न के पश्चिमी क्षेत्र में अल्टोना मीडोज के एक शॉपिंग सेंटर में 33 वर्षीय एक व्यक्ति पर लोगों के एक समूह ने हमला कर दिया।

एक पुलिस प्रवक्ता ने न्यूज कॉर्प को बताया कि उस व्यक्ति के पास कुछ पुरुष

आए और उसे जमीन पर गिरा दिया, उसके बाद उसके हाथ पर धारदार हथियार से वार किया गया।उस व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके हाथ का निचला हिस्सा काट दिया गया। सोमवार तक, किसी भी हमले के संबंध में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। 15 जुलाई को इसी तरह की एक घटना में, मेलबर्न के एक शॉपिंग सेंटर के बाहर चाकू से हमले के बाद एक अन्य व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

विक्टोरिया राज्य की पुलिस ने बताया कि मध्य मेलबर्न से 7 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में मूनी पॉन्ड्स स्थित शॉपिंग सेंटर के बाहर पैदल चल रहे दो व्यक्तियों को बहस करते देखा गया, जिसके बाद एक व्यक्ति ने दूसरे पर चाकू से वार किया। 44 वर्षीय पीड़ित को गर्दन और सीने में चोटें आईं और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

55 वर्षीय कथित हमलावर को पुलिस के आने तक लोगों ने रोके रखा। उसे हिरासत में ले लिया गया और उस पर लापरवाही से चोट पहुंचाने, जानबूझकर हथियार से हमला करने का आरोप लगाया गया।

एमेजॉन ने शुरू किया मशीन लर्निंग समर स्कूल का नया संस्करण

एजेंसी

नई दिल्ली। एमेजॉन इंडिया ने अपने प्रमुख मशीन लर्निंग (एमएल) समर स्कूल (एमएलएसएस) का पाँचवाँ संस्करण शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि यह कार्यक्रम उन इंजीनियरिंग छात्रों के लिए है जो 2026 या 2027 में ग्रेजुएट होने वाले हैं और देश के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से बी-टेक, एम-टेक या पीएचडी कर रहे हैं। पात्र छात्रों को एक परीक्षा देनी होगी, और उसमें शीर्ष 3000 में आने वाले छात्रों को एमएल समर स्कूल में शामिल होने का मौका मिलेगा। परीक्षा के लिए पंजीकरण 21 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक कराये जा सकेंगे और कार्यक्रम अगस्त 2025 से शुरू होगा। यह कार्यक्रम चार सप्ताहों में ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा और यह पूरी तरह से मुफ्त होगा। इसमें मशीन लर्निंग के मुख्य विषयों पर आठ एक्सपर्ट-लेड मॉड्यूल होंगे, जैसे कि सुपरवाइज्ड और अनसुपरवाइज्ड लर्निंग, डीप लर्निंग, जनरेटिव एआई, एलएलएम आदि। हर सत्र के बाद एमेजॉन के वैज्ञानिकों के साथ लाइव सवाल-जवाब भी होंगे, जिससे छात्र अपनी समझ को और बेहतर बना सकें। एमेजॉन ने इस कार्यक्रम की शुरुआत 2021 में की थी। अब तक करीब 10,000 छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें प्रायौगिक प्रशिक्षण, वास्तविक जिंदगी से जुड़े उदाहरण और एमेजॉन के टॉप मशीन लर्निंग वैज्ञानिकों से मार्गदर्शन शामिल रहा है।

पहली तिमाही में आईडीबीआई बैंक का मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आईडीबीआई बैंक का शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 2,007 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक के जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार, तिमाही के दौरान परिचालन से प्राप्त लाभ 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,354 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय में कमी आयी है और यह 3,166 करोड़ रुपये पर रही। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 3,233 करोड़ रुपये रहा था। बैंक ने बताया कि 30 जून 2025 को उसकी सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2.93 प्रतिशत रही जो एक साल पहले 3.87 प्रतिशत था। इसी अवधि में शुद्ध एनपीए भी 0.23 प्रतिशत से कम होकर 0.21 प्रतिशत हो गया। तिमाही के दौरान बैंक के पास जमा में सालाना आधार पर सात प्रतिशत का उछाल आया और यह 2,96,868 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, बैंक द्वारा दिया गया कुल ऋण नौ फीसदी बढ़कर 2,11,907 करोड़ रुपये रहा।

चावल, दालें महंगी, खाद्य तेलों में मिश्रित रुख

नयी दिल्ली। घरेलू जिंस बाजारों में सोमवार को चावल, दालों और चीनी के दाम बढ़ गये। गेहूँ और गुड़ में मंदी रही जबकि खाद्य तेलों के भाव में उतार-चढ़ाव रहा। घरेलू थोक बाजारों में ग्राहकी आने से चावल की औसत कीमत 84 रुपये बढ़कर 3,802.93 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूँ चार रुपये से ज्यादा टूटकर 2,813.27 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी करीब 15 रुपये सस्ता हुआ और 3,270.77 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। मूँगफली तेल 192 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सरसों तेल 22 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। सोया तेल भी 80 रुपये सस्ता हुआ। वनस्पति के दाम भी 165 रुपये प्रति क्विंटल चढ़े। सूरजमुखी तेल में 102 रुपये की तेजी रही। पाम ऑयल लगभग 12 रुपये प्रति टूट गया।दाल-दलहनों में तेजी का रुख रहा। दलहन बाजार में चना दाल करीब 132 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल का औसत भाव 208 रुपये बढ़ गया। उड़द दाल 27 रुपये प्रति क्विंटल और मसूर दाल में 120 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक की नरमी रही। दाल मूंग में भी करीब 121 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक की तेजी दर्ज की गयी। गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव 75 रुपये से ज्यादा गिर गये। चीनी करीब 44 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई है।

जियो बना दुनिया का नंबर वन FWA सर्विस प्रोवाइडर

नई दिल्ली। रिलायंस जियो FWA सर्विस के क्षेत्र में दुनिया की नंबर वन कंपनी बन गई है। 74 लाख से अधिक ग्राहक जियो की FWA सर्विस से जुड़े हैं। अमेरिका की टी-मोबाइल कंपनी को पीछे छोड़ रिलायंस जियो अब पहले पायदान पर पहुंच गई है। रिलायंस जियो FWA यानी फिक्सड वायरलैस एक्सेस के तहत जियो एयर फाइबर सर्विस चलाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के तिमाही नतीजों में मुकेश अंबानी ने इस बात का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जियो एयर फाइबर के साथ जियो फाइबर भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है। जियो 2 करोड़ से अधिक परिसरों को कनेक्ट कर चुका है। 5जी के मोर्चे पर भी कंपनी ने दमदार तरीके से ग्राहक जोड़े हैं। जियो ट्रू 5जी नेटवर्क से 21 करोड़ 30 लाख से अधिक ग्राहक जुड़ चुके हैं। वित्तिय मजबूती में भी कंपनी ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जहां एक तरफ जियो का आरपू यानी प्रति व्यक्ति प्रति महीने औसत राजस्व बढ़कर 208.8 रु तक जा पहुंचा, तो वहीं कंपनी का शुद्ध लाभ भी साल-दर-साल 24.8फीसदी बढ़कर ,110 करोड़ हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने कंपनी के वित्तीय नतीजों पर खुशी जताते हुए कहा कि हमारे डिजिटल सेवा व्यवसाय ने लगातार मजबूत वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन के साथ अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत किया है।

भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे वैश्विक स्थिरता का आधार बनाती है : सुमन बेरी

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने मंगलवार को कहा कि भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे विश्व के लिए स्थिरता का आधार बनाती है जिसे वृद्धि के नए इंजनों और विकास मॉडलों की आवश्यकता है, जिन्हें बढ़ाया और साझा किया जा सके। बेरी ने कहा कि इस दिशा में भारत एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है।

- कर्दमेश्वर महादेव मंदिर की मान्यता

सुमन बेरी ने एक्स पोस्ट में बताया कि संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सतत विकास लक्ष्यों पर उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच के मंत्रिस्तरीय सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को ऐसे नए विकास मॉडल और वृद्धि के नए इंजनों की आवश्यकता है, जिन्हें बड़े पैमाने पर अपनाया और साझा किया जा सके। उन्होंने कहा कि

परिवर्तनशील युग में भारत एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में उभर कर सामने आया है। इसके सामाजिक-आर्थिक संकेतक निरंतर बेहतर हो रहे हैं, साथ ही इसमें समावेशी डिजिटल प्रौद्योगिकी, सैद्धांतिक सुधार और समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। दुनिया महत्वपूर्ण आर्थिक बदलावों और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऐसे में सतत विकास लक्ष्यों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक कार्य पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष बेरी ने कहा कि अनुमान है कि 2013-14 और 2022-23 के बीच के दशक में 24.8 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकल आए हैं। भारत में विश्व में रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं का सबसे बड़ा समूह मौजूद है। भारत ने विकासशील देशों को रियायती वित्त, प्रौद्योगिकी साझेदारी और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान की है। इसमें सौर ऊर्जा अवसंरचना और डिजिटल शासन उपकरण शामिल हैं। बेरी ने कहा कि दुनिया को स्थिरता के आधार, विकास के नए इंजन और ऐसे विकास मॉडल की जरूरत है, जिन्हें बढ़ाया जा सके।

मेटा और गूगल के अधिकारी ईडी के समक्ष नहीं हुए पेश, 28 जुलाई को फिर बुलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों मेटा और गूगल के अधिकारी निर्धारित समय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उन्हें अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ मंचों के प्रचार से जुड़े मनी लॉड्रिंग के एक मामले में अब 28 जुलाई को पेश होने के लिए फिर नया समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मेटा और गूगल के अधिकारी प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष निर्धारित समय पर पेश नहीं हुए। इन कंपनियों के अधिकारियों को 28 जुलाई को गवाही देने के लिए बुलाया है। धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। हालांकि, इन दोनों कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। केंद्रीय एजेंसी अवैध सट्टेबाजी और जुए के लिंक होस्ट करने वाले कई प्लेटफॉर्म की जांच कर रही है, जिसमें विभिन्न इंटरनेट-आधारित सोशल मीडिया आउटलेट्स और ऐप स्टोर्स पर उनके लिए दिए गए विज्ञापनों के उदाहरण भी शामिल हैं। ईडी ने इन दिग्गज टेक कंपनियों को यह समझने और पूछताछ करने के लिए बुलाया है कि ऐसे अवैध प्लेटफॉर्म उनके सोशल मीडिया और संचार लिंक पर विज्ञापन कैसे दे सकते हैं।

सोने की कीमत में मामूली तेजी, चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली तेजी है। वहीं चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये से लेकर 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,810 रुपये से लेकर 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये

प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर 24 जुलाई को होंगे हस्ताक्षर, प्रधानमंत्री मोदी के साथ गोयल रहेंगे मौजूद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ब्रिट्रेन बीच बहुप्रतिक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 जुलाई को लंदन में हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मौजूद होंगे। दोनों देशों ने 6 मई को व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ लंदन जाएंगे। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इसे लागू होने में लगभग एक साल लगेगा। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद इसको लागू करने से पहले ब्रिटिश संसद और भारत के मंत्रिमंडल की मंजूरी की जरूरत होगी। व्यापार समझौते में श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे चमड़ा, जूते और कपड़ों के निर्यात पर कर हटाने का प्रस्ताव है, जबकि डॉलर तक पहुंच सके। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार से ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर जाएंगे, जिसका उद्देश्य व्यापार,

ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता करने का प्रस्ताव है, ताकि 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार दोगुना होकर 120 अरब यूएस निवेश और रक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। इस यात्रा के दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल प्रधानमंत्री के साथ रहेंगे।

ईपीएफओ ने मई महीने में शुद्ध रूप से रिकॉर्ड 20.06 लाख सदस्य जोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मई महीने में शुद्ध रूप से 20.06 लाख सदस्यों को जोड़ा है, जो अबतक का रिकॉर्ड सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इन सदस्यों में 9.42 लाख नए कर्मचारी भी शामिल हैं। मई महीने का ये आंकड़ा अप्रैल, 2025 की तुलना में 4.79 फीसदी और मई, 2024 के मुकाबले 2.84 फीसदी अधिक है। यह आंकड़ा अप्रैल, 2018 में ईपीएफओ से जुड़ने वाले अंशधारकों की निगरानी शुरू होने के बाद से दर्ज सबसे अधिक बढ़ोतरी है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बताया कि 18-25 आयु वर्ग के कर्मचारियों की इसमें बड़ी संख्या है। ईपीएफओ ने इस महीने 18-25 आयु वर्ग में 5.60 लाख नए अंशधारक जोड़े, जो मई, 2025 में जुड़े कुल नए सदस्यों का 59.48 फीसदी है। मई महीने में 18-25 आयु वर्ग में जुड़े नए सदस्यों की संख्या अप्रैल, 2025 की तुलना में 14.53 फीसदी अधिक है।

इसके अलावा मई में 18-25 आयु वर्ग की शुद्ध वृद्धि 8.73 लाख रही, जो अप्रैल के मुकाबले 15.10 फीसदी और मई, 2024 के मुकाबले 0.11 फीसदी अधिक है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं, उनमें भी पहली बार नौकरी करने वालों की संख्या अधिक है। इसके साथ ही पहले ईपीएफओ से बाहर हो गए लगभग 16.11 लाख सदस्य मई में फिर से इसका हिस्सा बन गए। यह अप्रैल, 2025 की तुलना में 2.12 फीसदी और मई, 2024 की तुलना में 14.27 फीसदी अधिक है। इसके अलावा मई, 2025 में लगभग 2.62 लाख नई महिला सदस्य भी ईपीएफओ में शामिल हुईं, जो अप्रैल की तुलना में 7.08 फीसदी और सालाना आधार पर 5.84 फीसदी की वृद्धि है। ईपीएफओ की इस उपलब्धि का उल्लेख करते हुए केंद्रीय श्रम एवं रोजगा मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि मई महीने में ईपीएफओ में अब तक सबसे अधिक सदस्यों का जुड़ना देश के औपचारिक रोजगार परिदृश्य की बढ़ती शक्ति का प्रमाण है। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में व्यापार में आसानी और आर्थिक सशक्तिकरण पर हमारा ध्यान अच्छे परिणाम दे रहा है और हम विकसित भारत के लिए एक मजबूत और समावेशी श्रम इकोसिस्टम के निर्माण के लिए समर्पित हैं।

सेल ने जोजिला सुरंग को 31 हजार टन से अधिक इस्पात से बनाया सशक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी द्वि-दिशात्मक जोजिला सुरंग यातायात के लिए 2027 तक पूरा होने की स्थिति में है। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने इस परियोजना के लिए 31 हजार टन से ज्यादा स्टील की आपूर्ति की है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सेल को इस रणनीतिक संरचना में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में शामिल किया गया था। इसके लिए सेल ने टीएमटी रि-बार, स्ट्रक्चरल और प्लेट सहित 31 हजार टन से अधिक इस्पात की आपूर्ति की है। मंत्रालय के मुताबिक रणनीतिक रूप से

11,578 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस सुरंग का निर्माण हिमालय के चुनौतीपूर्ण भूभाग में किया जा रहा है। 30 किलोमीटर से ज?यादा लंबी यह सुरंग श्रीनगर और लेह के बीच द्रास और कारगिल होते हुए हर मौसम में महत्वपूर्ण संपर्क प्रदान करेगी। ये सुरंग भारत के राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के विकास विशेष रूप से श्रीनगर-कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग, का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये सुरंग इस क्षेत्र में नागरिक और सैन्य गतिशीलता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी।

डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के वायदा कारोबार में तेजी आने की कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 14 पैसे फिसल कर 86.30 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 86.16 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की कमजोरी के साथ 86.22 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। स्टॉक मार्केट में आज शुरुआती दौर में विदेशी निवेशकों द्वारा जमकर की गई बिकवाली के कारण मुद्रा

बाजार में रुपये पर भी दबाव की स्थिति बन गई। डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 20 पैसे फिसल कर 86.36 के स्तर तक गिर गया था। हालांकि, शुरुआती कारोबार के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने स्टॉक मार्केट में जमकर खरीदारी शुरू कर दी, जिससे मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक भी बढ़ गई। डॉलर की उपलब्धता बढ़ने के कारण ही रुपया निचले स्तर से 17 पैसे की रिकवरी करके 86.19 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में एफआईआई ने शेयर बाजार लिवाली रोक दी, जिसकी वजह से डॉलर में दोबारा मजबती आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिर कर 86.30 रुपये के स्तर पर बंद हुई। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि डॉलर की मजबूती और विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे की निकासी ने मुख्य रूप से भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में मुख्य भूनिका निभाई। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के वायदा कारोबार में आई तेजी की वजह से भी डॉलर की मांग तेज होने की आशंका बन गई, जिसने अंततः रुपये को कमजोर करने का काम किया। रुपया आज डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर पड़ता हुआ नजर आया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 33 पैसे की कमजोरी के साथ 116.14 के स्तर पर पहुंच गया।

जून में आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त पड़कर 1.7 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जून में घटकर 1.7 फीसदी रही है। पिछले साल इसी अवधि में आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ा था। इससे पिछले महीने मई में इन उद्योगों का उत्पादन 1.2 फीसदी बढ़ा था। इस महीने बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि मई की तुलना में थोड़ा बेहतर रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पांच प्रमुख उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, उर्वरक और बिजली के उत्पादन में जून में गिरावट आई। हालांकि, जून में रिफाइनरी के उत्पाद में (3.4 फीसदी), इस्पात (9.3 फीसदी) और सीमेंट (9.2 फीसदी) की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, कोयला के उत्पादन में 6.8 फीसदी, जबकि कच्चे तेल के उत्पादन में 1.2 फीसदी, प्राकृतिक गैस तथा उर्वरक के उत्पादन में क्रमशः 2.8 फीसदी और 1.2 फीसदी की गिरावट आई है। इस दौरान बिजली उत्पादन में सालाना आधार पर 2.8 फीसदी की गिरावट आई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून अवधि में देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 1.3 फीसदी रही है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में यह 6.2 फीसदी रही थी। देश के आठ

बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल है। इन आठ कोर इंडस्ट्रीज (आईसीआई) का संयुक्त सूचकांक भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के कुल भार का 40.27 फीसदी होता है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से बीते एक दशक में 1.6 करोड़ से ज्यादा लोगों को ट्रेनिंग मिली : जयंत चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली । पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत 1.6 करोड़ से ज्यादा लोगों को ट्रेनिंग दी गई है, जिनमें से 1.29 करोड़ को (30 जून तक) सर्टिफिकेट भी दिया जा चुका है।कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के अन्य कार्यक्रमों के तहत लगभग 1.74 करोड़ उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, एनएसडीसी ने पुरस्कार देने वाली संस्थाओं के माध्यम से 2.32 लाख से ज्यादा प्रशिक्षकों को प्रमाणन प्रदान किया है। प्रशिक्षक-से-लाभार्थी अनुपात प्रशिक्षण के प्रकार, बैच के आकार, क्षेत्र के मानदंडों और भौगोलिक स्थिति के आधार पर भिन्न होता है। पीएमकेवीवाई के कार्यान्वयन के लिए, एमएसडीई ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 1,538.29 करोड़ रुपए जारी किए हैं। पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, मान्यता प्राप्त और संबद्ध प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) में प्रशिक्षण दिया जा रहा है और प्रशिक्षण केंद्रों की भौतिक और आभासी माध्यम से निगरानी की जा रही है। अनुपालन न करने वाले प्रशिक्षण केंद्रों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करना, काली सूची में डालना, निलंबन, वित्तीय वसूली आदि जैसी कानूनी कार्रवाई की जाती है। सरकार ने कहा कि पीएमकेवीवाई पूरे देश में लागू है और इसका लाभ हाशिए पर रहने वाले समुदायों सहित समाज के सभी वर्गों को मिलता है।

शुरुआती गिरावट के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से पहले 20 मिनट में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में गिर गए, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये दोनों सूचकांक रिकवरी करके एक बार फिर मजबूत स्थिति में पहुंच गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.54 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ऑयल एंड गैस, आईटी, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स बिकवाली के दबाव में गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स आज 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने आज 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 458.37 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.63 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,327 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,964 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,186 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 177 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,687 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,295 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,392 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 160.80 की तेजी के साथ 81,918.53 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण पहले 20 मिनट में ही ये सूचकांक 239.07 अंक की कमजोरी के साथ 81,518.66 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने बाजार में आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी, जिससे थोड़ी ही देर में सेंसेक्स दोबारा मजबूत स्थिति में पहुंच गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक आज का कारोबार खत्म होने की थोड़ी देर पहले 516.30 अंक उछल कर 82,274.03 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 75 अंक फिसल कर 442.61 अंक की मजबूती के साथ 82,200.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 30.60 अंक उछल कर 24,999 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से पहले 20 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक 86.10 अंक फिसल कर 24,882.30 अंक तक आ गया।

शहनाज गिल

पर चढ़ा बोल्डनेस का खुमार, छोटी सी ड्रेस पहन हुई अनकॉन्फर्टेबल, पैपराजी बोलीं- अरे भाई, रुक जाओ!

कभी गोलू-मोलू, बबली सी दिखने वाली शहनाज गिल आज बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना-माना नाम बन गई हैं। बिग बॉस 13 से मिली जबरदस्त लोकप्रियता के बाद उन्होंने न सिर्फ अभिनय की दुनिया में कदम रखा, बल्कि अपने ट्रांसफॉर्मेशन से भी हर किसी को चौंकाया है।

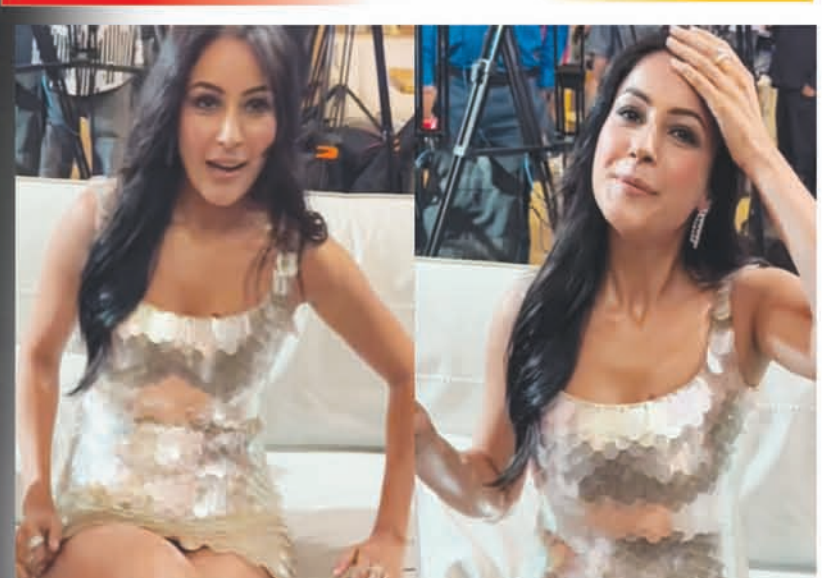

कभी गोलू-मोलू, बबली सी दिखने वाली शहनाज गिल आज बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना-माना नाम बन गई हैं। बिग बॉस 13 से मिली जबरदस्त लोकप्रियता के बाद उन्होंने न सिर्फ अभिनय की दुनिया में कदम रखा, बल्कि अपने ट्रांसफॉर्मेशन से भी हर किसी को चौंकाया है। अब शहनाज गिल दिन-ब-दिन काफी बोल्ड होती जा रही हैं। हाल ही में वह एक पब्लिक इवेंट में शामिल हुई, जहां वो छोटी सी ड्रेस में काफी असहज होती दिखीं। एक्ट्रेस का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि शहनाज गिल शिमरी सिल्वर मिनी ड्रेस पहन रखी थी, जिसमें वह बेहद ग्लैमरस और बोल्ड लग रही थीं। जब वे काउच पर बैठकर फोटो खिंचवाने लगीं, तो उन्हें ड्रेस को लेकर कुछ असहजता महसूस हुई।

वीडियो में वह पैपराज़ी से कहती दिखीं- अरे भाई, रुक जाओ... साइड हो जाओ। इसके बाद शहनाज़ ने अपने पास रखे बैग को गोद में रखकर पोज़ देती हैं।

शहनाज़ का ये लुक उनके पहले के इमेज से काफी अलग था। उन्होंने अपने लुक को सिल्वर ईयररिंग्स, मिनिमल मेकअप और सॉफ्ट कर्ल्स के साथ कंप्लीट किया।जैसे ही यह वीडियो सामने आया, सोशल मीडिया यूज़र्स की प्रतिक्रियाएं भी आने लगीं। कई लोग शहनाज़ को ट्रोल करते दिखे और कहते नजर आए कि अगर वह इस तरह की ड्रेस में कंफर्टेबल नहीं हैं, तो उन्हें पहननी ही नहीं चाहिए थी।

कैंसर का पता चला तो लगा तीसरी मंजिल से कूद जाऊं..

विक्की कौशल

के पिता ने अपने बुरे दौर को किया याद

विक्की कौशल के पिता और एक्शन डायरेक्टर शाम कौशल भले ही पर्दे पर नजर नहीं आते, लेकिन वो अपने शॉकिंग बयानों की वजह से अक्सर सुर्खियां बटोरते हैं। अब हाल ही में शाम कौशल ने बताया कि जब उन्हें कैंसर के बारे में पता चला था तो उनके मन में क्या विचार आया था। उन्होंने कहा कि ये खबर इतनी निराशाजनक थी कि उन्होंने आत्महत्या करने के बारे में सोचा लिया था। तो आइए जानते हैं शाम ने और क्या-क्या खुलासे किए।हाल ही में एक बातचीत के दौरान, शाम कौशल ने बताया कि जब उन्हें कैंसर की खबर मिली तो उनके दिमाग में आया कि वो अस्पताल की तीसरी मंजिल से कूद जाए। उन्होंने 2003 में अपनी एक सर्जरी को याद किया, जिसके बाद उन्हें पता चला कि उन्हें कैंसर है।

उन्होंने बताया कि अस्पताल के कमरे में मौजूद लोग बेहद चिंतित लग रहे थे और डॉक्टर ने उन्हें बताया था कि वह बच नहीं पाएंगे। विक्की कौशल के पिता ने अपनी कैंसर जर्नी के बारे में बात करते हुए कहा, उन्होंने मुझे शाम को ये खबर दी थी और रात में, मेरे मन में अस्पताल की तीसरी मंजिल से कूदने का एक अजीब सा विचार आया, जहां मेरा कमरा था। मैंने यह फैसला कमजोरी की वजह से नहीं लिया, बल्कि सोचा जब मुझे मरना ही है, तो अभी क्यों नहीं? लेकिन सर्जरी के बाद के दर्द के कारण मैं हिल भी नहीं पा रहा था।

उन्होंने खुलासा किया कि वह अपने अस्पताल के कमरे में भगवान से प्रार्थना करते थे कि उन्हें वहां से जाएं। बातचीत के बाद, मैं मौत के डर से उबर गया। अगली सुबह, मैं नई उम्मीद के साथ जगा कि बस कुछ सर्जरी हो जाएंगी और मैं ठीक हो जाऊंगा। इस घटना के बाद, जिंदगी के प्रति मेरा नजरिया बदल गया। इसने मेरी इच्छाशक्ति को मजबूत कर दिया। अगले एक साल तक कई टेस्ट और सर्जरी हुईं। मैं मजबूत बना रहा। खुशकिस्मती से, कैंसर मेरे शरीर में नहीं फैला।

डायरेक्टर ने आगे कहा- मैंने भगवान से 10 साल और जीने की दुआ मांगी थी, लेकिन आज 22 साल हो गए हैं। उस दौर ने मेरी जिंदगी बदल दी। मैं कई अच्छे लोगों से मिला। मुझे अच्छा काम मिला। मेरे बच्चे अच्छा कर रहे हैं। मैं जिंदगी में आगे बढ़ गया।

शाम कौशल का करियरबता दें, डायरेक्टर बनने से पहले शाम ने कई वर्षों तक स्टंटमैन के रूप में काम किया। इसके बाद उन्हें निर्देशन करने का मौका मिला और उन्होंने कई बॉलीवुड और हॉलीवुड की फिल्मों में काम किया। एक्शन निर्देशक के रूप में उनकी पहली फिल्म इंद्रजालम (1990) थी, जो एक मलयालम फिल्म थी।

जब शिल्पा शिरोडकर की हत्या की उड़ी थी अफवाह, 30 साल बाद एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर ने कई फिल्मो में काम किया है. उन्हें सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस' में भी देखा गया था. जल्द ही वो फिल्म 'जटाधारा' में नजर आएंगी. इससे पहले एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में एक ऐसी घटना के बारे में बताया है, जिससे उनके परिवार में खलबली मच गई थी. सालों पहले एक फिल्म के दौरान एक्ट्रेस की मौत की खबर उड़ी थी. हालांकि बाद में पता चला कि मेकर्स की तरफ से ये एक प्रमोशन स्टंट था.

शिल्पा शिरोडकर ने जिस घटना को लेकर बात की है वो 'रघुवीर' से जुड़ी हुई है. 30 साल पहले रिलीज हुई इस पिक्चर के दौरन शिल्पा के साथ मेकर्स ने कुछ ऐसा किया था कि एक्ट्रेस काफी गुस्सा हो गई थीं. हालांकि फिल्म की सक्सेस के चलते एक्ट्रेस ने ज्यादा नाराजगी जाहिर नहीं की थी.

'शिल्पा शिरोडकर की गोली मारकर हत्या...'

हाल ही में पिंकविला को दिए इंटरव्यू में शिल्पा ने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान अफवाह उड़ी थी कि मेरी मौत हो गई है. एक्ट्रेस ने बताया, मैं जब सुनील शेट्टी के साथ मनाली में शूट कर रही थी तब मेरे पिताजी होटल में फोन करने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि उस समय हमारे पास मोबाइल फोन तो होते नहीं थे. एक्ट्रेस ने आगे बताया, अखबार में हेडलाइन छपी थी कि शिल्पा शिरोडकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है. ये खबर शूटिंग देख रहे सभी लोगों को पता थी.

20-25 मिस्ड कॉल पड़े थे

शिल्पा ने आगे बताया था कि वो जब अपने कमरे में गई तो उन्होंने देखा था कि 20 से 20 मिस्ड कॉल्स पड़े थे. उनके पैरेंट्स उस खबर से बहुत ज्यादा परेशान थे. इसके बाद मेकर्स ने एक्ट्रेस को जानकारी दी थी कि ये एक प्रमोशनल स्टंट था. इसके बाद एक्ट्रेस ने राहत की सांस ली और कहा ठीक है. लेकिन एक्ट्रेस ने ये भी कहा था कि ये थोड़ा ज्यादा हो गया है.

'जटाधारा' में नजर आएंगी शिल्पा

वर्कफ्रंट की बात करें तो 51 वर्षीय शिल्पा जल्द ही फिल्म 'जटाधारा' में नजर आने वाली हैं. इसके जरिए वो एक अरसे के बाद सिल्वर स्क्रीन पर दिखाई देंगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक ये फिल्म इस साल नवरात्रि के मौके पर रिलीज हो सकती है.

'शायद मैं अच्छा बाप नहीं हूं...' बेटे की किस हरकत पर शाहरुख खान को लगा था झटका?

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान अपने तीनों ही बच्चों के बेहद करीब हैं. जब आर्यन खान का नाम ड्रग्स केस में आया था तो शाहरुख अपने बेटे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे थे. वहीं जब एक आईपीएल मैच के दौरान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में उनकी बेटी सुहाना खान से बदतमीजी की गई थी तब भी एक्टर अपनी बेटी के लिए आगे आए थे. शाहरुख के सबसे छोटे बेटे अबराम जन्म के समय जब सीरियस स्थिति में थे तब भी अभिनेता अस्पताल के चक्कर काटते रहते थे.दो बच्चों के पैरेंट्स बनने के बाद शाहरुख खान और गौरी खान ने अपने तीसरे बच्चे अबराम खान का वेलकम किया था. अबराम का जन्म सरोगेसी के जरिए साल 2013 में हुआ था. शाहरुख अपने लाडले अबराम से ज्यादा क्लोज हैं. हालांकि एक बार अबराम ने कुछ ऐसा कर दिया था

जिस पर शाहरुख को ये महसूस हुआ था कि शायद वो अच्छे पिता नहीं है.

जब अबराम ने नहीं मानी शाहरुख की बात

जो किस्सा हम आपको बता रहे हैं उसका जिक्र शाहरुख ने अपनी फ्लॉप फिल्म 'जीरो' के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान शेयर किया था. उन्होंने बताया था कि एक बार वो अबराम के पास जाकर बैठे और अबराम से कहा कि मेरे पास बैठे रहो. हालांकि अबराम अपने पिता के पास से उठकर बिना कुछ बोले चले गए.

एक्टर बोले- 'शायद मैं अच्छा बाप नहीं हूं'

अबराम के उस कदम ने शाहरुख को बड़ा झटका दिया था. तब अभिनेता को एहसास हुआ था कि कहीं ऐसा तो नहीं फिल्मों के चलते मैं बच्चों को टाइम नहीं दे पाता हूं. उन्होंने कहा था, मेरे मन में तब खयाल आया था कि शायद मैं अच्छा बाप नहीं हूं. उसे मुझसे प्यार नहीं हैं.

बेटी के साथ इस फिल्म में नजर आएंगे शाहरुख

शाहरुख के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता की अगली फिल्म है 'किंग'. इसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आने वाली हैं. इसके जिए सुहाना का थिएट्रिकल डेब्यू होने वाला है. सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बन रही ये पिक्चर 2026 में रिलीज होगी.

ई एस आई अस्पतालों में नैशनल मेडिकल लेबोरेटरी प्रोफेशनल सप्ताह मनाया

दिव्य दिल्ली

देश भर के ई एस आई अस्पतालों में पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी नैशनल मेडिकल लेबोरेटरी प्रोफेशनल सप्ताह 17-23 जुलाई, 2025 के दौरान पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाया गया। ई एस आई अस्पताल ओखला में प्रयोगशाला कर्मी सप्ताह भर प्रत्येक दिन अलग-अलग गतिविधियों में संलग्न रहे, जैसे मरीजों और स्टाफ के बीच बीमारियों से संबंधित जागरूकता के साथ साथ उचित खानपान की जानकारी, स्टाफ का आपस में मेलजोल बढ़ाना, लेबोरेटरी की सफाई, अस्पताल कर्मियों के लिए क्विज का आयोजन किया गया, सतत चिकित्सा शिक्षा के अंतर्गत अस्पताल कर्मियों के लिए बायोमेडिकल अपशिष्ट का उचित

प्रबंधन किया गया, एआई की उपयोगिता विषय पर प्रयोगशाला कर्मियों को जानकारी दी गई।

23 जुलाई, 2025 को इस कार्यक्रम के समापन के अवसर पर अस्पताल की चि. अ. डॉक्टर सपना मित्तल, अ. चि. अ. डॉक्टर संजय वंश जी ने पौधरोपण किया, जिसमें अस्पताल के समस्त कर्मचारियों, नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टर ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस मौके पर अस्पताल की चि. अ. डॉक्टर सपना मित्तल, उ. चि. अ. डॉक्टर संजय वंश, प्रयोगशाला इंचार्ज डॉक्टर कामिन मेयांग, डॉक्टर कमाल उद्दीन गौहर और अस्पताल के सभी अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी विद सुनील सरकनिया जी ने बताया कि सप्ताह भर की गतिविधियों सराहनीय रही, इस दौरान सुनील सरकनिया, श्रीमती सुनीता शर्मा, सुरेश यादव एवं समस्त प्रयोगशाला कर्मियों के साथ-साथ ई एस आई अस्पताल ओखला के सभी कर्मचारी, नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टर उपस्थित रहे।

चौधरी संदीप पंत को ज्वालामुखी विधानसभा क्षेत्र का कार्य प्रमुख नियुक्त किया

दिव्य दिल्ली : राजेश कतनौरिया (भरमाड़)

चौधरी फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष रोबिन कौंडल ने संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक सेवा के दायरे को और प्रभावशाली बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए चौधरी संदीप पंत को ज्वालामुखी विधानसभा क्षेत्र का कार्य प्रमुख नियुक्त किया है। यह जानकारी आज भरमाड़ क्षेत्र में चौधरी फाउंडेशन के अध्यक्ष रोबिन कौडल ने प्रेस वार्ता में बताया कि उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में संगठन की गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। चौधरी संदीप पंत लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और अपनी बिरादरी के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं।

न्यूज फ्लैश

आप पार्टी के हल्का इंचार्ज अमित सिंह मंटू ने नशों से दूर रहने के लिए शपथ दिलाई

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पंजाब सरकार व पंजाब पुलिस की ओर से युद्ध नशों के विरुद्ध छेड़ी गई मुहिम के तहत सरकार के प्रतिनिधि गांव स्तर पर पहुंच कर पुलिस प्रशासन व सरकार के प्रशासन के साथ सहयोग करके, गांव स्तर पर विशेष बैठक , जागरूकता सेमिनार व रैलियां करके, नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक कर रहे है, जिसके तहत आज मंगलवार को गांव भादन, बलवान, वीर कुली, अवां, थडा चिकला व अन्य गांवों में आप पार्टी के हल्का सुजानपुर के इंचार्ज अमित सिंह मंटू की ओर से गांव में विशेष सेमिनार लगा कर लोगों को नशों से दूर रहने की अपील की गई। हल्का इंचार्ज ठाकुर अमित सिंह मंटू ने गांव की पंचायत व आए हुए अलग अलग गांवों से लोगों, युवाओं, मातृशक्ति व अन्य उपस्थित जनों को कहा कि पंजाब सरकार , नशे से जड़ से उखाड़ने के लिए पूरी तरह प्रयासरत है, जिसके लिए सरकार व पुलिस प्रशासन की ओर से गांव स्तर पर जागरूकता रैलियां, बैठक व अन्य सेमिनार लगा कर लोगों को नशों से दूर रहने के लिए अपील कर रही है। उन्होंने बताया कि पंजाब के अंदर शासन कर रही आप पार्टी की सरकार, युवाओं के विकास, गांव के विकास, महिला सशक्तिकरण व अन्य सकारात्मक कार्यो के लिए पूरी तरह प्रयासरत है। उन्होंने उपस्थित जनों को कहा कि जो लोग उनके गांवों में नशों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे है, उसकी सीधी शिकायत पुलिस को करें तथा सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा। वहीं पर उपस्थित जनों ने नशों से दूर रहने की शपथ ली । इस अवसर पर गांव भादन के सरपंच बलविंदर सिंह, गांव बलेवा के विजय कुमार, गांव अवां के करतार सिंह, चिंटू,अतिरिक्त एसएचओ सब इंस्पेक्टर भूमिका ठाकुर, युवा नेता लक्की पठानिया, व अन्य उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत नियांगल के बार्ड नम्बर 6 ने बरसात के कारण एक झील का लिया रूप

दिव्य दिल्ली: ऊषा जरियाल (जवाली)

उपमंडल जवाली के अंतर्गत नयांगल में मंगलवार को एसडीएम जवाली विकास जमवाल ने ग्राम पंचायत नियांगल के अफेक्टेड एरिया का निरीक्षण किया जिसमे ग्राम पंचायत नियांगल के बार्ड नम्बर 6 ने बरसात के कारण एक झील का रूप ले लिया गया है जिससे ग्राम पंचायत नियागल के

लगभग 15 परिबारों की कृषि योग्य भूमि बरसात के पानी में बह गयी है तथा अभी उनको अपने घरों का खतरा सत्ता रहा है`बता दे की 2023 में भूस्खलन हुआ था जिसमे कई परिवारों के घर बह गए थे वही आज इसी भूस्खलन के चलते पड़े मलबे की बजा से बरसात का सारा पानी ग्राम पंचायत नियागल के वार्ड नंबर 6 की तरफ होने से खड्ड के पानी नें एक झील का रूप ले लिया है जिस से 15 परिबार प्रभाबित हुए है एसडीएम जवाली विकास जमवाल नें बताया की ग्राम पंचायत नयागल के अफेक्टेड एरिया का उन्होंने मौके पर जाकर ग्राम पंचायत प्रधान नियांगल चुन्नीलाल, उप प्रधान संदीप सिंह समकड़िया, लोक निर्माण विभाग एसडीओ कोटला राजेश,नायब तहसीलदार कोटला,फील्ड कानगो कोटला सहित निरीक्षण कर लिया गया है` तथा आश्वासन दिया कि जल्द ही मौसम साफ होते ही ग्राम वासियों की इस परेशानी को दूर किया जाएगा। जिसके लिए ग्राम पंचायत प्रधान नियांगल चुन्नीलाल,उप प्रधान संदीप सिंह समकड़िया ब स्थानीय लोगों ने एसडीएम जवाली विकास जामवाल का अफेक्टेड एरिया का दौरा करने पर धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

सोलन के सालोगड़ा में पंजाब रोडवेज की बस और छोटा हाथी के बीच हुई टक्कर

दिव्य दिल्ली : अमरप्रीत सिंह (सोलन)

सोलन के सालोगड़ा में पंजाब रोडवेज की बस और छोटा हाथी के बीच हुई टक्कर , जिस वजह से छोटा हाथी को काफी नुकसान पहुंचा । गनीमत यह रही कि इसमें कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ।वही छोटा हाथी की बॉडी उसकी चेसी से अलग होकर साइड जा गिरी,हादसे का कारण क्या था यह जांच का विषय है, पुलिस से मौके पर पहुंचकर कार्रवाई अमल में लाई है,

आपका विधायक आपके द्वारह्व कार्यक्रम के तहत मलेंद्र राजन ने दीणी लारथ में सुनी जनसमस्याएं

स अवसर पर उनकी विभिन्न समस्याएं सुनीं तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर से विनय महाजन प्रदेश की इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने आज "आपका विधायक आपके द्वारह्व कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत दीणी लारथ का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया ' इस अवसर पर उनकी विभिन्न समस्याएं सुनीं तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.इस अवसर पर विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि प्रदेश सरकार की नीतियों का उद्देश्य हर नागरिक को शासन की मुख्यधारा से जोड़ना है। ह्लआपका विधायक आपके द्वारह्व कार्यक्रम इसी सोच का हिस्सा है, जिसके तहत जनप्रतिनिधि स्वयं जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनते हैं और निवारण की दिशा में पहल करते हैं। उन्होंने

कहा कि कांग्रेस सरकार सत्ता में सत्ता सुख के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन करके प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता के साथ समर्पित भाव से लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब तथा वंचित लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है । उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा के लिए राज्य सरकार लम्बित राजस्व मामलों का प्राथमिकता से निपटारा सुनिश्चित कर रही है। राज्य में 'राजस्व लोक अदालतों' के माध्यम से कई वर्षों से लंबित राजस्व मामलों का निपटारा किया जा रहा है और इससे बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर निर्माण कार्यों का नियमित तौर पर निरीक्षण किया जाए ताकि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनी रहे। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की नियमित तौर पर समीक्षा करने से ही विकास कार्यों में तेजी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का जन कल्याण और विकास की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी और समयबद्ध तरीके से लागू करने पर विशेष जोर है। इसके अलावा जन समस्याओं एवं शिकायतों के कारगर निपटारे पर खास ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर पंचायत प्रधान स्नेह लता, उप प्रधान परमजीत सिंह,पूर्व प्रधान तरसेम सिंह,कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ सदस्य स्वदेश सोनू,नरेंद्र शर्मा, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष नीरज कुमार,बीडीओ सुदर्शन सिंह,जल शक्ति विभाग कनिष्ठ अभियंता बलविंदर, बिजली बोर्ड कनिष्ठ अभियंता ईशान शर्मा, लोक निर्माण विभाग से एसएस कालिया सहित अन्य विभागीय अधिकारी तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

मिलिट्री हॉस्पिटल परिसर से होकर अस्थायी वैकल्पिक मार्ग की मिली अनुमति

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रदेश के इंदौरा विधानसभा क्षेत्र में भारी बारिश के चलते माजरा, डमटाल,मोहटली और छन्नी पंचायतों को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों, विशेषकर स्कूली बच्चों को आवाजाही में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आज एसडीएम इंदौरा डॉ. सुरेंद्र ठाकुर ने मिलिट्री हॉस्पिटल के अधिकारियों तथा स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर स्थल का दौरा किया और वैकल्पिक पैदल रास्ते की संभावनाओं का जायजा लिया। उन्होंने हॉस्पिटल परिसर से होकर स्कूली बच्चों व स्थानीय निवासियों

के अस्थायी आवागमन को लेकर मिलिट्री अधिकारियों से चर्चा की। मिलिट्री अधिकारियों ने भी सकारात्मक रुख अपनाते हुए स्थिति को समझा और आवश्यक सहमति प्रदान की। इस अवसर पर एसडीएम ने बताया कि जब तक सिविल एंक्लेव मार्ग की मरम्मत नहीं हो जाती, तब तक मानवीय आधार पर यह वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। एसडीएम ने आश्वस्त किया कि प्रशासन क्षेत्रवासियों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर पूरी तरह गंभीर है और हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं।

रैगिंग रोकने के लिए सभी शिक्षण संस्थान करें पुख्ता प्रबंध : अमरजीत सिंह

दिव्य दिल्ली : समित कुमार (हमीरपुर)

उपायुक्त अमरजीत सिंह ने जिला के सभी सेकंडरी और उच्च शिक्षण संस्थानों तथा व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने संस्थानों में रैगिंग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता प्रबंध करें। बुधवार को जिला स्तरीय एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में रैगिंग जैसी घटनाओं को रोकने तथा इसमें संलिप्त विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए रैगिंग निषेध अधिनियम में बहुत ही कड़े प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिला के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में हाल ही के वर्षों के दौरान रैगिंग का कोई मामला सामने नहीं आया है। इसके बावजूद शिक्षण संस्थानों में किसी भी तरह की लापरवाही या ढील नहीं होनी चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि रैगिंग के शिकार विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर पड़ता है तथा उनका कॅरियर भी प्रभावित होता है। रैगिंग में संलिप्त विद्यार्थियों के दोषी पाए जाने पर उनका करियर भी तबाह हो सकता है। सभी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को इसके बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।

संभावित बाढ़ से निपटने हेतु किए गए अग्रिम प्रबंधों की समीक्षा हेतु जिला प्रशासन द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

जिला प्रशासन द्वारा हरदीप सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त (कानून एवं व्यवस्था) की अध्यक्षता में जिला प्रशासन परिसर मलिकपुर, पठानकोट में जिला पठानकोट के संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किए गए अग्रिम प्रबंधों की समीक्षा हेतु एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर अन्य लोगों के अतिरिक्त सर्वअरशदीप सिंह, एसडीएम पठानकोट, मेजर डॉ.

सुमित मधु, एसडीएम धारकलां, अधिकारी, डॉ. अदिति पठानकोट, झिरमल सिंह
पवन कुमार, जिला राजस्व सलारिया, सिविल सर्जन तलवंडी, डीएसपी सुरक्षा

पठानकोट, युद्धवीर सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी पठानकोट तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए हरदीप सिंह अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) पठानकोट ने कहा कि जिला पठानकोट में संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अग्रिम प्रबंध कर लिए गए हैं और विभिन्न अधिकारियों की ड्यूटियां भी लगा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्यों के लिए राहत केंद्र भी स्थापित किए गए हैं और विभिन्न विभागों द्वारा नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किए गए हैं ताकि लोग आवश्यकता पड़ने पर उन संपर्क नंबरों से जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने भी किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए तैयारियां कर ली है और दवाइयों आदि का स्टॉक भी पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं जो किसी भी स्थिति में पूरी तरह तैयार रहेंगी।
डल्ली ३३ॅल्ल३

नगरोटा सूरियां रेंज में वन विभाग की सतर्कता अवैध खैर लकड़ी से भरी पिकअप गाड़ी पकड़ी गई

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

वन संपदा की रक्षा हेतु चलाए जा रहे सतत प्रयासों के तहत, नगरोटा सूरियां रेंज के वन विभाग के कर्मियों ने बीती रात एक बड़ी सफलता हासिल की। विभाग की टीम ने पूरी रात जागते हुए

सतर्कता बरती और एक पिकअप गाड़ी को धार में पकड़ा, जो अवैध रूप से काटी गई खैर लकड़ी से भरी हुई थी। यह कार्रवाई सुरेंद्र सैनी RO नगरोटा सूरिया के नेतृत्व में की गई।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में, रात्रि लगभग 2:30 पर वन विभाग की टीम ने संदिग्ध वाहन को रोका और जांच करने पर उसमें खैर लकड़ी अवैध रूप से ले जाई जा रही पाई गई। खैर के 40 मौछे जिसका आयतन 1.243 घन मीटर और बाजारी मूल्य लगभग तीन लाख पचास हजार रुपये है गाड़ी को तुरंत जब्त कर लिया गया है, और दोषियों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है '

बिजली के पोल से टकराकर व्यक्ति की मौत

दिव्य दिल्ली : रॉबिन शर्मा (सिरमौर)

बिजली के पोल से टकराकर व्यक्ति की मौत हुई विकास मंच ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया । श्री पांवटा साहिब में यह दर्दनाक हादसा हुआ, मुआवजे और कार्रवाई की मांग भी तेज कर दी गई है, विकास मंच ने की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है हादसे में एक की जान गई है।

हरिद्वार से कांवड़ में जल लाने वाले जनपद के तीन लोगों का इलाके में आने पर अभिनंदन

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

इस जनपद के विभिन्न गांव से हरिद्वार का गंगाजल लाने वाले तीन कांबडियो का अपने इलाके में वापस आने पर स्थानीय लोगों द्वारा अभिनंदन किया गया' जनपद के बनाल गांव में जब कांबड़ लेकर

यह तीन लोग जिनके नाम केवल कृष्ण शर्मा,(63) बलजीत सिंह (63)व प्रेमनाथ (60) पहुंचे तो स्थानीय लोगों द्वारा इनका अभिनंदन किया गया और इन पर फूल भी बरसाए गए'

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397